अश्विन कृष्ण पक्ष-4, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 91 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

22 सितम्बर 2024 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

27 अधिकतम

20 न्यूनतम

Page- 7

विनिंग संडे...भारत ने बांग्लादेश को रौंदा

चेन्नई। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 280 रन से हराते हुए आज शाही जीत दर्ज कर ली। लोकल ब्वॉय रविचंद्रन अश्विन ने मैच में शतक के साथ छह विकेट भी झटके। भारत ने पहली पारी में 376 रन बनाए और दूसरी पारी 287 रन पर पारी घोषित की। इस तरह तीसरे दिन बांग्लादेश को 515 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला, जिसके जवाब में बांग्ला टाइगर्स आज चौथे दिन लंच से पहले ही 234 रन पर सिमट गए। इस मैच से करीब 20 महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ पंत ने पुराने अंदाज में वापसी करते हुए शतक जड़ा। तीसरे नंबर पर भारत के नए विकल्प शुभमन गिल ने भी अपने टेस्ट करियर की पांचवीं सेंचुरी ठोकी।

पेज 7 भी देखें

महिला भड़की तो मंत्री ने पैर पकड़े

ग्वालियर। मप्र के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर अपनी शैली के कारण हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। कभी वह जमीन पर बैठक भोजन करने लगते हैं तो कभी नाले में उतरकर खुद ही सफाई करने लगते हैं। अब ऐसा वीडियो सामने आया है जहां मंत्री को एक भड़की हुई महिला के पैर पकड़कर माफी मांगने पड़ी है। बताते हैं कि तोमर जैसे ही विनय नगर कॉलोनी में पहुंचे यह महिला गंदगी व अव्यवस्था पर भड़क गई।

इंदौर की हवा सुधारने नो-कार डे

भोपाल/इंदौर, दोपहर मेट्रो। मप्र के बडे शहरों में बढ़ते प्रदूषण के चलते आज इंदौर में नया प्रयोग हो रहा है। यहां नो-कार डे मनाया जा रहा है। यानि बीआरटीएस लेन पर कोई भी कार नहीं चले रही हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम और एआईसीटीसीएल द्वारा बीआरटीएस के पूरे मार्ग पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ ही माय बाइक और ई रिक्शा उपलब्ध रहेगी। रविवार सुबह खुद कलेक्टर आशीष सिंह ई बाइक पर हेलमेट लगाए सुबह 9 बजे कलेक्टोरेट पहुंचे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपील की है कि आज 22 सितम्बर को पर्यावरण संरक्षण के साथ ही वायु गुणवत्ता सुधार के में कार्य में सहयोग करें। शहर के मध्य क्षेत्र और प्रमुख मार्ग बीआरटीएस पर सुबह 9-बजे से 12-30 बजे तक और शाम को 5-30 से 7-30 बजे तक बीआरटीएस के विभिन्न स्थान पर नो कार डे के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। दिन में नवलखा चौराहा पर बैंड, नुक्कड़ नाटक, शिवाजी वाटिका पर ओपन और कैनवास, पलासिया चौराहा पर नुक्कड़ नाटक, एलआईजी चौराहा पर फ्लैश माब, एमआर- 9 चौराहे पर बैंड और नुक्कड़ नाटक और विजयनगर चौराहे पर बैंड नुक्कड़ नाटक और अन्य गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

नो कार डे के अवसर पर शहर नगर निगम और एआईसीटीसीएल द्वारा बीआरटीएस केनिरंजनपुर चौराहा, स्कीमनंबर 78 चौराहा, शालीमार टाउनशिप, सत्य सांई चौराहा, विजय नगर चौराहा, रसोमा , सी21 मॉल, एमआर-9 चौराहा, एलआई चौराहा, माय बाइक ई रिक्शा उपलब्ध कराया है।

मोदी ने बाइडेन को गिफ्ट में दी चांदी की ट्रेन

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में अमेरिका में हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से उनके निवास पर मुलाकात की। मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कुछ खास तोहफे लेकर पहुंचे और बाइडेन को एक एंटीक सिल्वर ट्रेन का मॉडल गिफ्ट किया। इसके अलावा अमेरिकी की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन को मोदी ने पश्मीना शॉल तोहफे में दिया। चांदी से बनी ट्रेन का ये खूबसूरत मॉडल महाराष्ट्र के कारीगरों ने बनाया है। यह मॉडल भाप के इंजन के जमाने की याद दिलाता है। इसमें कला और इतिहास का मिलाप देखने को मिलता है।

लड्डू विवाद सुप्रीम कोर्ट में प्रायश्चित करेंगे पवन

नई दिल्ली। श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में लड्डू प्रसादम में पशु की चर्बी के इस्तेमाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई, याचिका में मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित किए जाने की मांग की गई है। हिन्दू सेना के अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने यह याचिका दाखिल की है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम ने दावा किया था कि गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि की गई है। उधर तिरुपति मंदिर में लडड्ओं में पशुओं की चर्बी विवाद पर आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने दुख जताया है तथा इस पाप के प्रायश्चित्त के लिए 11 दिनों का उपवास रखने का ऐलान किया है।

रेल बोर्ड चेयरमैन ने किया स्टेशन का निरीक्षण

इटारसी। रेलवे बोर्ड चेयरमेन सतीश कुमार ने आज सुबह इटारसी जंक्शन का निरीक्षण किया ! उन्होंने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यो को भी देखा। भोपाल मण्डल में मिसरोद से मंडीदीप के बीच हुए डिरेलमेंट के घटनाक्रम के बाद ट्रेक का निरीक्षण करने रेलवे बोर्ड चेयरमैन इटारसी स्टेशन आये थे। इटारसी जंक्शन को पहले 25 अमृत भारत स्टेशन में शामिल किया गया है जिसके बाद से यहाँ पर बड़े निर्माण कार्य हो रहे है।

सीएम मोहन यादव सभाएं लेने रवाना, योगी भी संभालेंगे मोर्चा

भाजपा ने दो खास चेहरों को जम्मू व हरियाणा में उतारा

भोपाल/नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो। भाजपा ने कश्मीर और हरियाणा में अपने दो मुख्यमंत्रियों को आज प्रचार में उतारा है। दोनों ही हिंदुत्व के भी बडे चेहरे माने जाते हैं। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज कश्मीर में चुनाव प्रचार की 'ड्यूटी' पर हैं। वे भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वह जम्मू में दो स्थानीय जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। पहली सभा सांबा विधानसभा के भाजपा उम्मीदवार सुरजीत सिंह सलाथिया के समर्थन में है। इसके बाद सीएम रामलीला मैदान गुर्हा सलाठिया भी जाएंगे। उल्लेखनीय है कि यादव ने इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा, बिहार तथा उप्र में भाजपा उम्मीदवारों के लिये जमकर चुनाव प्रचार किया था। उधर हरियाणा के जीद में आज उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के लिये पहुंच रहे हैं। वे भाजपा प्रत्याशी कृष्ण बेदी के लिए वोट की अपील करने आ रहे हैं। योगी आदित्यनाथ नरवाना में लोगों को संबोधित करेंगे। कृष्ण बेदी पहले मंत्री भी रह चुके हैं। हालंकि इस चुनाव प्रचार के दौरान कई गांवों में उनका विरोध हो चुका है।

किसान नाराज, महापंचायत शुरू

हरियाणा के नाराज किसान भी भाजपा के लिये परेशानी का सबब हैं। आज कुरूक्षेत्र के पिपली में आज किसानों की महापंचायत हो रही है। बड़ी संख्या में किसान, जिनमें महिलाएं भी मंडी में पहुंच गए हैं। इससे पहले किसानों ने जींद में भी महापंचायत की थी। किसानों का दावा है कि इस महापंचायत में भारी संख्या में देश की विभिन्न राज्यों से किसान पहुंचें हैं। वे सभी दिल्ली की सीमाएं खोलने की मांग सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर मंथन कर रहे हैं। महापंचायत के बारे में ए बीकेयू शहीद भगत सिंह के प्रधान अमरजीत सिंह मोहड़ी ने कहा कि मंडी किसानों की है और उन्हें किसी प्रकार की परमिशन की जरूरत नहीं, फिर भी अगर प्रशासन उन्हें रोकने की कोशिश करता है तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जींद में हुई महापंचायत में भी किसानों को रोकने के लिए प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए थे, लेकिन बावजूद उसके भी भारी संख्या में किसान महापंचायत में पहुंचे थे।

कानपुर में फिर रेल पटरियों पर मिला अवरोध

कानपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को उड़ाने की साजिश सामने आई है। कानपुर देहात जिले में रेलवे ट्रैक पर छोटा वाला एक गैस सिलेंडर मिला है, जिससे टकराने के बाद कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। हाल में ही कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश रची गई थी. इसके लिए रेलवे ट्रैक पर एलपीजी सिलेंडर रखा गया था. इसके अलावा रेलवे लाइन के पास पेट्रोल और बारूद भी बरामद किया गया था। जानकारी के मुताबिक, नॉर्थर्न सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के पेरम्बूर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एलपीजी का छोटा सिलेंडर मिला था. यहां से मालगाड़ी गुजरने वाली ही थी कि लोको पायलट ने उससे पहले ही मालगाड़ी को रोक दिया, जिसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया. जिस जगह रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर मिला है, वो कानपुर देहात जिले में पड़ता है।

रेलवे पुलिस ने इस घटना पर क्या बताया रेलवे सुरक्षा बल के एसपी ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर पांच किलो की क्षमता वाला एलजीपी का खाली सिलेंडर पाया गया है. ट्रेन की स्पीड काफी धीमी थी।

विक्रमसिंघे को पछाडा,52 फीसदी वोट मिले

श्रीलंका में बड़ा उलटफेर दिसानायके अगले राष्ट्रपति होंगे

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका के आम चुनावों में निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके हाथों बड़े उलटफेर का सामना करना पड़ा है। दिसानायके ने धमाकेदार जीत दर्ज की है और वह श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति बनेंगे। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव करने के लिए कल सितंबर को मतदान हुआ था। श्रीलंका के चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके 52त्न वोट के साथ राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने के करीब आ गये हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 16 फीसदी वोटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। साजिश प्रेमदासा 22 फीसदी वोट के साथ दूसरे स्थान पर हैं तथा वे फिर मुख्य विपक्षी नेता की भूमिका में दिखेंगे। 2022 के आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में यह पहला चुनाव है।

दिसानायके ने नेशनल पीपुल्स पावर गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, जिसमें उनकी मार्क्सवादी-झुकाव वाली जनता विमुक्ति पेरेमुना पार्टी भी शामिल है।

मेट्रो एंकर

अंतरिम सरकार ने लगाया था प्रतिबंध

दुर्गापूजा से पहले 3 हजार टन हिल्सा भारत को देने तैयार हुआ बांग्लादेश

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा उत्सव से पहले बांग्लादेश ने अहम कदम उठाया है तथा अंतरिम युनूस सरकार ने भारत की मांग पूरा करने के लिए भारत को 3,000 टन हिल्सा मछली के निर्यात को मंजूरी दे दी है। दरअसल शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दुर्गा पूजा से पहले हिल्सा मछली के निर्यात पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस फैसले पर वह ज्यादा दिन तक टिके नहीं रह सके और प्रतिबंध को हटाते हुए उन्होंने हिल्सा मछली के निर्यात को मंजूरी दी।

खबरों के मुताबिक बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने आगामी दुर्गा पूजा के मद्देनजर भारत को 3,000 टन हिल्सा मछली के निर्यात को मंजूरी दी है, बशर्ते कि सभी निर्धारित शर्तें पूरी हों। 'इसमें हिल्सा मछली के निर्यात की कीमत का जिक्र नहीं है। इससे पहले साल 2023 में दुर्गा पूजा के लिए बांग्लादेश ने भारत को 5000 टन हिल्सा मछली का निर्यात किया था। 2012 में, बांग्लादेश ने तीस्ता नदी जल-बंटवारे के समझौते पर असहमति के कारण मछली के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन बाद में शेख हसीना ने निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया।

भारत में बेहद लोकप्रिय है हिल्सा

हिल्सा बांग्लादेश और भारत दोनों में एक लोकप्रिय मछली है और इसे दुर्गा पूजा के दौरान एक स्वादिष्ट व्यंजन माना जाता है। दुर्गा पूजा का त्योहार भारत और बांग्लादेश में लाखों लोगों द्वारा मनाया जाता है और इस दौरान हिल्सा की मांग अधिक हो जाती है। देश त्योहारी सीजन के दौरान बांग्लादेश पद्मा इलिश की बड़ी खेप भारत को भेजता था, जिसे अवामी लीग की नेता शेख हसीना द्वारा सुगम सद्भावना नीति माना जाता था।

दुनिया का 70 फीसद उत्पादन

इससे पहले हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाते हुए, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार ने उल्लेख किया था कि स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया था. बांग्लादेश, जो दुनिया की लगभग 70 प्रतिशत हिल्सा का उत्पादन करता है, वह इस राष्ट्रीय प्रतीक पर बहुत गर्व करता है क्योंकि हिल्सा देश की राष्ट्रीय मछली भी है।

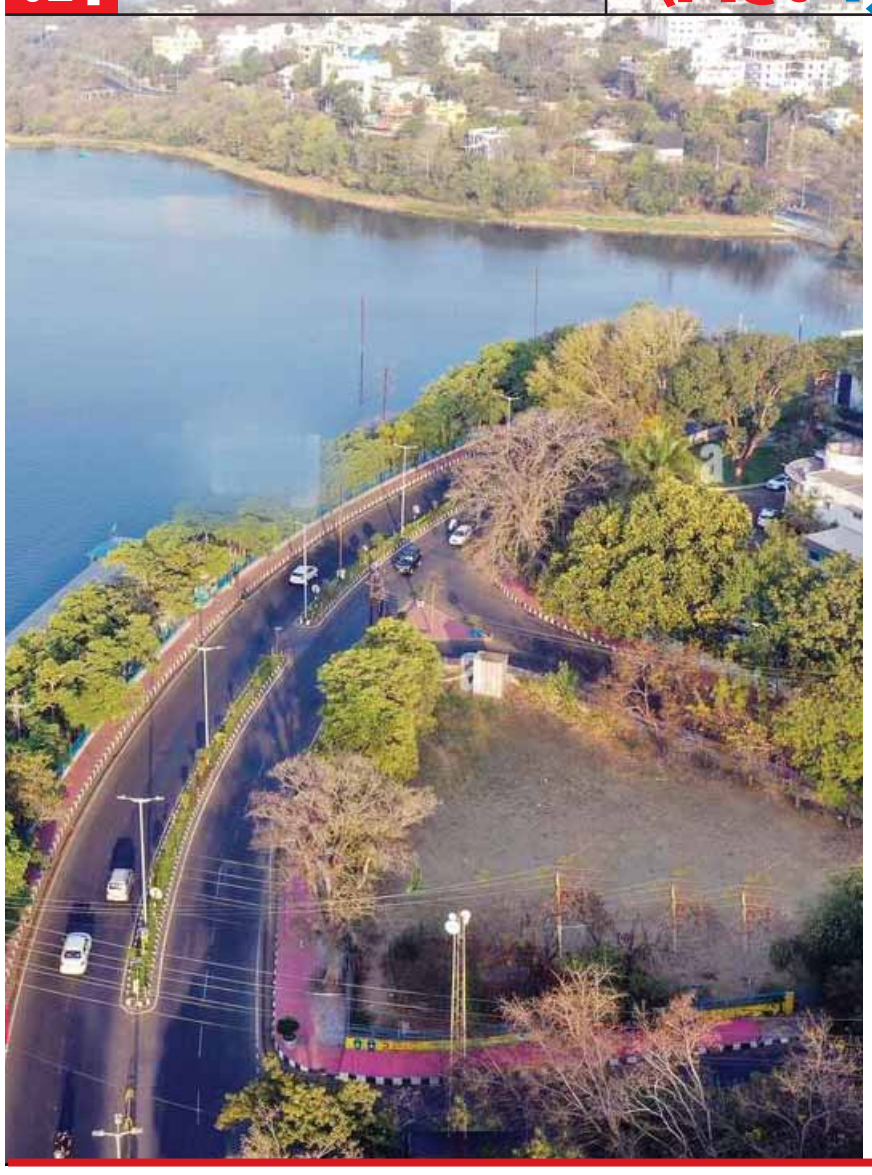

भोपाल की 25 साल की विकास योजना बनाने की कवायद

राजधानी के आसपास के क्षेत्रों को शामिल कर एससीआर बनाने का ख्वाब फिर निकाला फाइलों से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी को मेट्रोपोलिटन शहर बनाने के लिए अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा देने के बाद अब नये सिरे से काम शुरू होगा। इसके लिये स्टेट कैपिटल रीजन के फिर आकार लेने की संभावना बढ गई है। इसमें आसपास के छोटे शहरों को भी शामिल करके समन्वित विकास किया जायेगा। हाउसिंग बोर्ड, भोपाल विकास प्राधिकरण और स्मार्ट सिटी द्वारा प्लान तैयार किया जाएगा। हालांकि दो दशक से भोपाल का मास्टर प्लान नहीं बन सका है। इसके साथ ही शहर को झुग्गीमुक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और नेताओं को इसका समाधान निकालने के लिए कहा है। भोपाल के विकास की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा, पहले भवन तैयार किए जाएं और बाद में झुग्गियों को खाली कराया जाए ताकि लोगों को परेशानी न हो। झुग्गीमुक्त करने के लिए अगले माह यानी अक्टूबर से ही भवन बनाने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उन्होंने सड़कों के स्वीकृत कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

राजधानी की तरह होगा विकास

राजधानी के आसपास के जिलों को मिलाकर एससीआर बनाने का विचार दरअसल एक दशक पुराना है। इसमें भोपाल, सीहोर, रायसेन, राजगढ़, आगर-मालवा, विदिशा, रायसेन, होशंगाबाद और हरदा को जोड़ने की बात कही गई थी। पांच साल पहले कमलनाथ सरकार में भोपाल, मंडीदीप, औबेदुल्लागंज और सीहोर को जोड़ कर एससीआर बनाने का विचार सामने आया था। अब नए सिरे से प्लान बन रहा है। जिन क्षेत्रों को एससीआर में शामिल किया जाएगा। उनका विकास भी राजधानी की तर्ज पर होगा।

स्टेट कैपिटल जोन में रायसेन, मंडीदीप, राजगढ़ भी शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण के प्रस्तावित कार्यों के अंतर्गत रायसेन, मंडीदीप, सलामतपुर और सांची तक का क्षेत्र, राजगढ़ तथा पीलुखेड़ी क्षेत्र, बैरसिया तथा सूखी सेवनिया क्षेत्र के विकास के लिए कार्ययोजना बेहतर ढंग से तैयार की जाए। भोपाल में बड़े तालाब का स्वरूप प्रभावित हुए बगैर एलिवेटेड कारिडोर का प्लान तैयार करें। जिले में सीवेज, जल व तालाबों का पुनरोत्थान कार्य के लिए लगभग 1522 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है।

यह भी होगा : सरकारी भवनों में सोलर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करें। इसमें भोपाल को आदर्श बनाएं। अधिक से अधिक सोलर पैनल लगाने वालों को प्रोत्साहित किया जायेगा।

अब रेल्वे स्टेशन परिसर में सस्ती दवाओं के लिए जनऔषधि केंद्र

जल्द होगी शुरूआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आम लोगों को सस्ती व गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये हाल में मप्र के सभी सरकारी जिला अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र कों शुरूआत हुई है।अब भोपाल रेल मंडल स्टेशन के बाहर जन-औषधि केंद्र खोलने जा रहा है। रेलवे की ओर से स्टेशनों पर भारतीय जन-औषधि परियोजना के तहत मेडिकल स्टोर खोले जा रहे हैं।

बताया जाता है कि भोपाल स्टेशन पर अगले एक-दो महीने में जन-औषधि केंद्र खोला जाएगा। इसके बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दवा के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। वहीं, स्टेशन के आसपास रहने वाले लोग भी आसानी से सस्ते दामों पर दवा ले सकेंगे। भोपाल रेल मंडल की ओर से टेंडर जारी कर दिया है। साथ ही स्थान भी चिह्नित कर लिया गया है। भोपाल स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म एक की ओर नई बिल्डिंग के सामने जन-औषधि केंद्र खोला जाएगा। यहां केंद्र में आपात स्थिति में पहुंचने वाले मरीजों के उपचार, दवा का पर्चा बनाने के लिए

आकर्षक और सुविधाजनक

अधिकारियों को रेलवे बोर्ड से विशेष तौर पर निर्देशित किया है कि भोपाल स्टेशन पर बनने वाले केंद्र को आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जाए। ताकि स्टेशन की भीड़ के दौरान यात्रियों को आसानी से यह केंद्र दिख जाएं। स्थल का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखा गया है। खास बात यह है कि भोपाल मंडल के कहत बीना में यह केंद्र खुलचुका है। अब भोपाल के एक नंबर प्लेटफार्म के बाहर जन औषधि केंद्र से यात्रियों के अलावा आम लोगों को भी सस्ती दवाएं मिल सकेंगी। विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। हालांकि इनके ड्यूटी टाइम को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रेलवे की मंशा है कि सफर के दौरान बीमार होने वाले यात्रियों को दवा के लिए परेशान न होना पड़े। उन्हें प्लेटफार्म पर ही दवा मिल जाएं। इसलिए पहली बार स्टेशन के प्लेटफार्म पर दवा दुकानों को खोला जा रहा है। इन केंद्रों के स्ट्रक्चर बनाने की जिम्मेदारी रेलवे के ही स्टोर विभाग को सौंपी है।

बीयू: ईयर बैक के विद्यार्थियों की जल्द होगी परीक्षा

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बीटेक सन 2021-22 में ईयर बैक हो चुके विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। बीयू प्रबंधन इन विद्यार्थियों लिए जल्द परीक्षा आयोजित कराएगा। जारी अधिसूचना के अनुसार 2021-22 में ईयर बैक बीटेक तृतीय सेमेस्टर व पंचम सेमेस्टर के लिए परीक्षा सत्र जून 2024 की आयोजित की गई परीक्षा में शामिल होने से वंचित छात्रों की परीक्षा जल्द आयोजित की जाएगी। कुलगुरू प्रा. एसके जैन द्वारा 5 सितंबर को अनुमोदन किया था, जिसके बाद परीक्षा आयोजित की जाएगी।

गैस राहत अस्पतालों में 15 डॉक्टर्स की नयी तैनाती, व्यवस्था सुधरने की उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अब गैस राहत अस्पतालों में 15 डॉक्टर्स सेवाएं देने आए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इन डॉक्टर्स को 2 साल की प्रतिनियुक्ति अवधि के लिए अस्पतालों में पदस्थ किया है। इससे मरीजों को बेहतर इलाज मिलने व डाक्टर्स की कमी दूर होने की उम्मीद है। इन डॉक्टर्स में एक मेडिकल विशेषज्ञ, एक सर्जिकल विशेषज्ञ, एक अस्थि रोग विशेषज्ञ, एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक निश्चेतना विशेषज्ञ और 10 चिकित्सा अधिकारी हैं। उधर जीएमसी में नौ पीजी सीटों को मंजूरी दी गई है। दरअसल गैस राहत अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा अधिकारियों की पदपूर्ति करने के लिए भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति पर चिकित्सकों की सेवाएं लेने का मांग पत्र भेजा था। स्वास्थ्य विभाग ने प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापना की मांग मानकर 15 डॉक्टर्स की गैस राहत अस्पतालों में प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं देने के आदेश जारी किये। बताया जाता है कि इन 15 डॉक्टर्स में से मेडिकल विशेषज्ञ ने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में, सर्जिकल विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ ने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में कार्यभार संभाल लिया है। कमला नेहरू अस्पताल में दो चिकित्सा अधिकारियों ने ज्वाइन किया। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, शाकिर अली खान अस्पताल एवं रसूल अहमद सिद्धिकी पल्मोनरी मेडिसिन सेंटर में एक-एक चिकित्सा अधिकारी ने भी कार्यभार ग्रहण कर लिया। उधर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग द्वारा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल के एनाटॉमी विभाग में 9 अतिरिक्त स्नातकोत्तर (पी.जी.) सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वृद्धि के साथ पीजी सीटों की संख्या 2 से बढ़कर 11 हो गई है।

डॉ. अशोक अध्यक्ष व डॉ. बृजेश बने जन परिषद के संभागीय महासचिव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने जन परिषद के महासचिव श्री अजय श्रीवास्तव नीलू की अनुशंसा पर डॉ अशोक निगम को भोपाल संभाग का संभागीय अध्यक्ष एवं डॉ बृजेश श्रीवास्तव को संभागीय महासचिव मनोनीत किया है। ज्ञात हो कि जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ कई ऐतिहासिक एवम् अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर दस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस कर चुकी है। अगली कॉन्फ्रेंस इंडोनेशिया में होगी। संस्था के इस समय पूरे देश में 228 एवम् विदेशो में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय, सामाजिक एवम् राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

चिकित्सा सेवा : सेवासदन में 119 निर्धन रोगियों के ऑपरेशन हुए

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में शनिवार को संत हिरदाराम साहिबजी की 119वीं जयंती पर 119 निर्धन नेत्र रोगियों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। इनमें से 64 नेत्र रोगी भोपाल शहर से, 16 रोगी शाजापुर से तथा 39 नेत्र रोगी कालापीपल से लाये गये थे । नेत्र रोगियों को चिन्हित करने के लिये शाजापुर और कालापीपल में शुक्रवार को शिविर लगाये गये थे जबकि भोपाल के रोगियों का टेलीफोन पर रजिस्ट्रेशन किया गया । यह शिविर दुबई के दान दाता नीलू और भगवान शिवलानी के सहयोग से लगाया गया।

42 लोगों ने किया नेत्रदान: वहीं, सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा एक नेत्रदान काउंटर लगाया गया। 42 व्यक्तियों ने मृत्योपरांत नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे । शिविर का शुभारम्भ सेवासदन के डॉक्टर्स और पदाधिकारियों द्वारा संतजी और अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर किया गया । सभी डॉक्टर्स ने रोगियों के ऑपरेशन करना शुरू किये तथा लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल की । इस अवसर पर मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी. साधवानी, ट्रस्टीगण तुलसी आडवानी, राजकुमार मूलचंदानी, संत सेवक एल.सी. जनियानी, डॉ. प्रेरणा उपाध्याय और अन्य डॉक्टर्स मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

दुबई के दानदाता नीलू और भगवान शिवलानी ने उठाया खर्चा

पूर्व बेला पर्यावरण की चिंता और भजनों से उत्सवी रंग

संतजी के अवतरण दिवस की पूर्व बेला में गांधीनगर में आकार ले रहे सेवासदन नेत्र चिकित्सालय के नवीन भवन परिसर में पौधारोपण किया गया। अशोक पांडे, प्रांतीय संघचालकमध्यभारत, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, क सोमकांत उमालकर, विभाग संघसंचालक दिलीप भूरानी, संघचालक, जिला प्रताप, संतोष मीणा, सह प्रांत कार्यवाहक, जिला तात्या टोपे, डा. संजीव गुलाटी, सह संघचालक जिला तत्या टोपे, विधायक रामेश्वर शर्मा व भगवानदास सबनानी समेत चिकित्सा विशेषज्ञों ने पौधे रोपे। अशोक पांडे ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के पौधारोपण आवश्यक है। जेएसएस के सचिव महेश दयारानी ने कहा कि नए अस्पताल भवन में हर साल 40 हजार ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है।

बालक मंडली के भजन: कुटिया प्रांगण में संतजी के अवतरण दिवस की पूर्व बेला में कुटिया के सामने भजन संध्या का आयोजन किया, बालक मंडली कटनी के कलाकारों ने सिंधी-हिन्दी गीतों की प्रस्तुति दी। संतजी के उत्तराधिकारी सिद्धभाऊजी एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या की शुरूआत की। केक काटकर संतजी के अनुयायियों ने संतजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

मेट्रो एंकर स्वामी हिरदारामजी का 119वां अवतरण दिवस सेवा दिवस के रूप में मना

हजारों लोगों ने सेवा संकल्प धाम में माथा टेका मानव सेवा का संकल्प लिया, सेवा कार्य हुए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत स्वामी हिरदारामजी के 119वें अवतरण दिवस शनिवार को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। संतजी के अनुयायी सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा के पांच दीप प्रज्ज्वलित कर मानव सेवा का संकल्प दोहराया। मानव सेवा की राह दिखाने वाले संत हिरदारामजी के अवतरण दिवस पर सुबह कुटिया में चल रहे तीन दिवसीय आयोजनों का समापन संतजी के उत्तराधिकारी सिद्धभाऊजी के सानिध्य में हुआ। समाजसेवियों ने संतजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया। देर शाम तक कुटिया में समाधि स्थल पर माथा टेकने वालों को तांता लगा रहा और भंडारा चलता रहा। मिश्री का प्रसाद लेकर श्रद्धालुओं ने जीवन को दूसरों के लिए मिश्री की मिठास जैसा बनाने की बात कही। कुटिया में आम और खास लोगों ने पहुंचकर अपनी भावांजलि अर्पित की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा, सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायकद्वय रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी व विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों ने कुटिया का आशीर्वाद लिया। संतजी के विदेशों से आए अनुयायी कुटिया में संतजी को नमन करने पहुंचे।

हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की: नवयुवक सभा, कुटिया और मुख्य मार्ग पर आम भंडारे के आयोजन किए गए। सभा भवन जीव ज्योति संस्था ने भंडारे का आयोजन किया, सुबह से शाम तक हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। संस्था के चन्द्र चांदवानी ने बताया कि दशकों से संस्था भंडारे का आयोजन करती है। कुटिया में माथा टेकने आए लोगों भंडारा ग्रहण किया

स्कूलों में आयोजन - संतजी का संदेश देने रैली: साधु वासवानी स्कूल में संतजी के अवतरण दिवस पर विद्यालय परिसर से रैली निकाली गई, जिसमें सभी विद्यार्थी श्वेत वस्त्र धारण किये हुए हाथों में तख्तियां लेकर संतजी के अवतरण दिवस पर बूढ़े, बच्चे और बीमार हैं परमेश्वर के यार, सुख चाहो तो सुख दो एवं काले कपड़ों का त्याग करो आदि नारे लगाते हुए स्कूल प्रागण में पहुंचे।

भजन और चालीसा पाठ: नवनिध विद्यालय में हिरदारामजी के अवतरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संतजी के उत्तराधिकारी सिद्धभाऊजी का संदेश छात्राओं तक पहुंचाया गया। भाऊजी ने संत जी द्वारा बताए गए सेवा के मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर भजन एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

पुष्पांजलि एवं व्याख्यान: संस्कार पब्लिक स्कूल में स्वामी हिरदाराम साहिबजी के जन्म दिवस पर पुष्पाजंलि एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि संतजी ने जीवन में मानव सेवा का संकल्प लिया था, जिसको न केवल चरितार्थ किया बल्कि दूसरों को प्रेरणा दी। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने संतजी के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कई विशिष्टजनों ने विचार रखे।

- बच्चों ने रैली निकालकर संतजी का संदेश पहुंचाया लोगों तक

सुखमनी पाठ साहिब: अनंदराम टी. शाहानी कन्या उ.मा. विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय में संतजी के अवतरण दिवस पर श्री सुखमनी पाठ साहब का आयोजन किया किया। नव युवक सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहानी ने कहा कि वे संत जी के पदन्हिं का अनुसरण करते हुए अपने जीवन को उज्जवल बनाये। एवं सेवा भाव में जीवन व्यतीत करें।

कुटिया पर रक्तदान: सेवासदन ने कुटिया के सामने संतजी के जन्म दिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। हमीदिया अस्पताल की मोबाइल यूनिट में लोगों ने रक्त दान किया। लोगों ने रक्तदान नहीं दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए छोटा प्रयास किया। वहीं, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की रासेयो इकाई की 15 छात्राओं ने रक्तदान किया। प्राचार्या डॉ डालिमा पारवानी ने कहा, संतजी ने न केवल अपना पूरा जीवन मानव सेवा को समर्पित किया, बल्कि सेवाधारियों का एक ऐसा समाज बनाया, जो दशकों से सेवा कार्यों को जुनून से पूरा कर रहा है।

प्रत्येक जनजातीय विकासखंड में स्थापित की जाएगी रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी

- जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को राहत
- विद्यार्थियों को मिलेगी उपलब्ध होगी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिये राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। जनजातीय विद्यार्थियों को बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित कराने के लिये फ्री कोचिंग दी जायेगी। इसके लिये सरकार प्रदेश के सभी जनजातीय विकासखंडों में रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास कर रही है। इस प्रशिक्षण अकादमी के जरिये जनजातीय विद्यार्थियों को जेईई, नीट, क्लेट और यूपीएससी जैसी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की बड़ी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग देकर इन्हें परीक्षाओं में सफल होने के गुर सिखाए जायेंगे। वर्तमान में जनजातीय विद्यार्थियों को आकांक्षा योजना के अंतर्गत जेईई, नीट, क्लेट की तैयारी के लिये भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में कोचिंग दी जा रही है। अखिल भारतीय सेवाओं की परीक्षा की तैयारी कराने के लिये निजी कोचिंग संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों को कोचिंग दी जा रही है। अब सभी ट्राईबल ब्लॉकों में जनजातीय विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग का लाभ देने के लिये योजना की संशोधित डीपीआर तैयार कर ली गई है। शासन से स्वीकृति मिलते ही रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी प्रारंभ कर दी जायेंगी।

मैपसेट के जरिए भी दिये जा रहे है कौशल प्रशिक्षण

जनजातीय कार्य विभाग के अधीन प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्था मध्य प्रदेश रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद् (मैपसेट) के माध्यम से वर्तमान में पीव्हीटीजी समूह एवं एसटी, एस.सी. विद्यार्थियों के लिये कई प्रकार के कौशल प्रशिक्षण भी संचालित किये जा रहे हैं। मैपसेट द्वारा पीव्हीटीजी समूह के 122 विद्यार्थियों के लिये आईसेक्ट के जरिये (मण्डला, डिण्डौरी, शहडोल, शिवपुरी एवं तामिया जिला छिंदवा?ा में) एसटी वर्ग के 87 विद्यार्थियों के लिये (इंडस्ट्री बेस्ड, सेन्टर बेस्ड एवं सिपेट भोपाल में) तथा एससी वर्ग के 27 विद्यार्थियों के लिये (सिपेट भोपाल एवं ग्वालियर में), कुल 236 प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मैपसेट द्वारा गत वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 16 हजार 409 प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रशिक्षित किया गया। इनमें से 8 हजार 287 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न कंपनियों/फर्मों में प्लेसमेंट मिल गया है। जारी वित्त वर्ष सहित आगामी वर्षों में में कुल 29 हजार 40 जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिये मेपसेट तेजी से कार्य कर रहा है। इसको विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं का एम्पैनलमेंट किया जा रहा है। इच्छुक संस्थाओं के साथ रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) के प्रकाशन की कार्यवाही भी की जा रही है।

जैन कल्याण बोर्ड का गठन होगा, गाय पालने वालों को मिलेगा प्रोत्साहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

- क्षमावाणी महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा

प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का गठन होगा। गाय पालने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा। ये घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार क्षमावाणी महोत्सव में घोषणा की। यह आयोजन मुख्यमंत्री निवास पर हुआ था, जिसमें जैन समाज के अनुयायी व जनप्रतिनिधि समेत कई लोग मौजूद थे। क्षमावाणी में मुख्यमंत्री ने कहा है कि जैन परम्परा और संस्कृति का गौरवशाली इतिहास है। देश, प्रदेश में जैन परम्परा के अनुयायी हर जगह मौजूद हैं। उज्जैन भी जैन परम्परा को हजारों सालों से मानने वाली नगरी है। बोर्ड सभी के कल्याण की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि जैन मुनि, आचार्य, साधुसंतों को मार्ग से गुजरने के दौरान जरुरत पड़ी तो शासकीय भवन उपलब्ध कराएंगे। महोत्सव में क्षमावाणी पर्व से संबंधित लघु वीडियो फिल्म दिखाई गई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कश्यप ने मुख्यमंत्री का स्वागत कर प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत जैन समाज से जुड़े प्रमुख विधायक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाई है। कानून व्यवस्था, सुशासन की स्थापना करना सरकार का दायित्व है। सागर में आचार्य विद्यासागर के नाम पर मेडिकल कॉलेज खोलने की स्वीकृति मिल गई है। राज्य सरकार ने सभी संभागों के अंतर्गत आयुर्वेदिक कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। गौशालाओं, गाय को पालने के लिए प्रोत्साहन देंगे। दूध बिक्री पर बोनस देने का निर्णय किया है।

नाकेदारों का वेतन घटाने व जिन्हें नया वेतनमान दिया उनसे वसूली की तैयारी

वन विभाग में प्रशासन-2 की पीसीसीएफ ने सभी मंडलों को निर्देश जारी किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के नाकेदारों का वेतन घटाने का पूरा इंतजाम हो गया है। वन विभाग में प्रशासन-2 की पीसीसीएफ कमलिका मोहंता ने शनिवार को इस संबंध में सभी मंडलों को निर्देश दिए है। जिसमें वित्त विभाग के उन नियमों का पालन करने को कहा है, जिसके अनुसार प्रदेश के 7 हजार से अधिक नाकेदारों के वेतन में कटौती तय है। इनमें से 5 हजार से तो वसूली भी संभव है। यह स्थिति वन विभाग की गलती के कारण बन रही है। असल में वित्त विभाग द्वारा फरवरी 2009 सभी विभागों को भर्ती नियमों में संशोधन कर वेतन-भत्तों का करने संबंधी दिए गए निर्देशों के बावजूद वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने चिंता नहीं की। 7 साल बाद सितंबर 2014 में संशोधन किया भी तो नए नियमों के प्रभावी होने की तारीख का जिक्र ही नहीं किया। जिसके कारण नाकेदारों समेत अन्य वनकर्मियों को पूर्व में दिए जा रहे वेतनमान में बढ़ोतरी की बजाए कटौती की नौबत बन गई है। यही नहीं,

जिन्हें पुराने स्लैब से बढ़ा हुआ वेतनमान मिला, उसकी वसूली की नौबत आ गई है, हालांकि अभी विभाग ने वसूली संबंधी आदेश जारी नहीं किए है। उल्लेखनीय है कि भोपाल व नर्मदापुरम समेत प्रदेश के हजारों नाकेदारों व अन्य वनकर्मियों को मूल वेतन 5410 व ग्रेड-पे 1900 के अनुरूप वेतन भुगतान किया जा रहा था जो सागर, जबलपुर व अन्य जिलों में सामान पदों पर कार्यरत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं करने वाले जूनियर वनकर्मियों को दिए जा रहे 5680 व ग्रेड-पे 1900 वेतनमान से कम था। यह गड़बड़ी वन विभाग द्वारा भर्ती नियमों व भुगतान संबंधी नियमों में वित्त विभाग के कहने के बावजूद भी समय पर संशोधन नहीं करने के कारण बनी। जबकि प्रभावित वनकर्मी इसमें लगातार सुधार की मांग कर रहे थे। अब वित्त विभाग का कहना है कि जिन-जिन वन मंडलों में 5680 व ग्रेड-पे 1900 वेतनमान दिया था, वह वित्त विभाग के नियमों के आधार पर नहीं है इसलिए पुराने स्लैब के आधार पर भुगतान करें। वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामयश मौर्य का कहना है कि शासन को शुरू से बता रहे थे कि भेदभाव हो रहा है, लेकिन अधिकारी मानने को तैयार नहीं थे। वेतनमान में सुधार करने की बजाए जिन कर्मचारियों को उनके हक का वेतन मिल रहा था, उसे भी कम करवा दिया। इसे कोर्ट में चुनौती देंगे।

30 सितम्बर तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन

भोपाल। भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा बीढ़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत बच्चों के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में नेशनल स्कॉलरशिपा पोर्टल (एनएसपी) पर प्री-मेट्रिक श्रेणी में शिक्षण के लिए आवेदन तिथि बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 30 सितम्बर 2024 तक आवेदन कर सकते है। वहीं पोस्ट मेट्रिक के लिये आवेदन करने की अंतिम 31 अक्टूबर निर्धारित है।

वीडी ने संत हिरदाराम को नमन किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने सिंधी समाज के संत हिरदारामजी की जयंती पर बैरागढ़ स्थित हिरदाराम कुटिया में प्रणाम कर संत सिद्ध भाऊ जी से आर्शीवाद लेकर प्रसादी ग्रहण की। शर्मा ने कहा कि संत हिरदारामजी ने केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश को दिशा देने का काम किया है। संतजी की आभा और व्यक्तित्व सभी को प्रभावित करता है। संत हिरदारामजी की वाणी और आभा से हमें काम करने की नई शक्ति मिलती है। शर्मा ने कहा कि संत हिरदाराम जी के आशीर्वाद से काम करने की दिशा और धर्म व अध्यात्म का ज्ञान भी प्राप्त होता है।

कमलनाथ ने बागेश्वर धाम में की पूजा

भोपाल/छतरपुर दोपहर मेट्रो। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बागेश्वर धाम पहुँचकर हनुमानजी के दर्शन किए और पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से भेंट की। नाथ ने कहा कि बागेश्वर धाम पहुँचकर हमेशा ही दिव्य और अलौकिक अनुभूति होती है। आज फिर प्रभु हनुमान जी के दर्शन करने एवं पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी से मुलाक़ात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। नाथ के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने बागेश्वर धाम के दर्शन किए। कमलनाथ दो दिवसीय छिंदवाड़ा प्रवास के बाद कमलनाथ अब दो दिन भोपाल में रहेंगे और प्रदेश भर के नेताओं से भेंट मुलाक़ात करेंगे।

रंगमंच और साहित्य को बढ़ावा देने सरकार साथ : सारंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि राज्य सरकार रंगमंच और साहित्य को बढ़ावा देने के लिये हमेशा साथ है। वह कदमताल करते हुए संस्कृति संरक्षण, भविष्य की आशाओं और समाज को दिशा देने वाले दायित्वों के निर्वहन में लगे लोगों का हमेशा सम्मान करती रहेगी। सारंग डॉ. राजेन्द्र कुमार जनसम्पर्क एवं पत्रकारिता संस्थान भोपाल द्वारा शहीद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में इस वर्ष का डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान जनसम्पर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा को दिया गया। सारंग ने कहा कि कोई भी सम्मान प्राप्त करना बहुत कठिन है, इसमें अपेक्षा रहती है कि व्यक्ति सम्मान को बनाये रखने के लिये और बेहतर काम करता रहे। साथ ही यह युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत का काम भी करता है। संस्थान द्वारा हर वर्ष ऐसे मेहनती और लगनशील लोगों को चुनना भी बड़ी चुनौती है जिसका बेहतर निर्वहन लगातार संस्थान कर रहा है।

अपर संचालक जनसम्पर्क वाधवा को राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान

कायस्थ समाज के समग्र विकास व वैचारिक गतिशीलता देने 'कायस्थम' का गठन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्य प्रदेश के कायस्थ समाज को नई दिशा, चिंतन और वैचारिक गतिशीलता देने के लिए आज भोपाल के कायस्थ समाज के प्रतिनिधियों की एक बैठक में संस्था कायस्थम, मध्य प्रदेश के गठन पर विचार विमर्श किया गया। संस्था कायस्थम कायस्थ समाज को नई दिशा ,चिंतन और वैचारिक गतिशीलता देने के लिए कार्य करेगी। संगठन कायस्थ समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, रचनात्मक कार्य और जरूरतमंदों को सहायता देने का कार्य भी करेगा इस अवसर पर बैठक में कायस्थ समाज के सर्वश्री प्रलय श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, प्रो. रेखा श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, पत्रकार अजय भटनागर, सुधीर निगम, अजय निगम, अमितेंद्र श्रीवास्तव, मुकुल अस्थाना, डॉ. आरके श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव सहित कायस्थ समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थम, मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी का गठन अगले माह कर भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी।

मेट्रो एंकर | पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त रावत ने कहा -

'एक देश एक चुनाव तभी संभव जब संविधान और आरपी एक्ट में संशोधन किया जाए'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत में एक देश एक चुनाव संविधान में आवश्यक संशोधन साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम -आर पी एक्ट में संशोधन करने के पश्चात ही संभव है । यह बात पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ पी रावत ने कही। आई आई पी ए - भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा द्वारा मध्यप्रदेश प्रशासन अकादमी भोपाल में भारत के जनमानस और मतदाता के केंद्र बिंदु 'एक राष्ट्र एक चुनाव ' सामयिक और ताज़ा विषय पर आयोजित विमर्श के दौरान रावत बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने 'वन नेशन वन इलेक्शन' यानी एक राष्ट्र , एक चुनाव से संबंधित अनेक पहलुओं की जानकारी देते हुए कहा की निर्वाचन आयोग एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने के लिए सक्षम है। आयोग के पास अभी जो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन - ईवीएम और वीवीपैट-वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल हैं उससे और अधिक की जरूरत पड़ेगी। 2015 में वे निर्वाचन आयोग में ही थे. उसी दौरान केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग से पूछा था कि क्या लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना व्यावहारिक है और इसके लिए क्या क़दम उठाए जाने ज़रूरी हैं? तब ÷निर्वाचन आयोग ने केंद्र सरकार को बताया था कि दोनों चुनाव साथ कराना संभव है. इसके लिए सरकार को चार काम करना होगा. इसके लिए

सबसे पहले संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन ज़रूरी होगा. इसमें विधानसभाओं के कार्यकाल और राष्ट्रपति शासन लगाने के प्रावधानों को बदलना होगा।

इसी तरह अविश्वास प्रस्ताव के साथ यह भी बताना होगा कि किसी सरकार को हटाकर कौन सी नई सरकार बनाई जाए, जिसमें सदन को विश्वास हो, ताकि पुरानी सराकर गिरने के बाद भी नई सरकार के साथ विधानसभा या लोकसभा का कार्यकाल पांच साल तक चल सके।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनैतिक विश्लेषक सरमन नगेले ने बताया की 191 दिनों में तैयार इस 18,626 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि 47 राजनीतिक दलों ने अपने विचार समिति के साथ साझा किए थे जिनमें से 32 राजनीतिक दल %वन नेशन वन इलेक्शन% के समर्थन में थे.जबकि 15 राजनीतिक दलों ने अपनी राय रखते हुए समर्थन से इंकार किया है यानि वे इसके विरोध में हैं । नगेले ने बताया की 2019 के लोकसभा चुनाव में लगभग 60 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे । जिस प्रकार चुनाव के दौरान लोकसभा अथवा विधान सभा का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के लिए खर्च की सीमा तय है उसी तरह पॉलिटिकल पार्टीस पर भी चुनाव में खर्च करने की लिमिट निर्धारित होना चाहिए। आभार पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और आई आई पी ए के सचिव श्री डी.पी. तिवारी ने किया।

रावत ने विस्तार से सवालों के जवाब भी दिए। विमर्श में पूर्व डीजीपी अरुण गुर्टू,एससी त्रिपाठी,ए के विजयवर्गीय,नरेंद्र प्रसाद,केसी श्रीवास्तव,पुखराज मारू,एसपीएस परिहार समेत अनेक पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 22 सितम्बर, 2024 epaper.dopaharmetro.com

मौसम के रस रंग

बरखा है ये भादों की, बरसे तो बड़ी बरसे

■ कुमार रहमान

मौसम के जितने शेड्स भारत देश में पाए जाते हैं, उतने किसी दूसरे मुल्क में नहीं। इतना भर नहीं है। यहां हर मौसम का सेलिब्रेशन है। ऋतुओं के हिसाब से पर्व, त्योहार और उत्सव हैं। मौसम के अनुसार बदलते खान-पान हैं। बदलती जीवन शैली है। कुल मिलाकर हर मौसम अपने साथ उल्लास लेकर आता है। इन दिनों देश पर भादो मास का खुमार और वर्षा ऋतु का उल्लास छाया हुआ है। वर्षा चौथी हिंदी ऋतु है। इसके बाद शरद ऋतु का आगमन होगा।सीने से घटा उट्ठे आंखों से झड़ी बरसे,फागुन का नहीं बादल, जो चार घड़ी बरसें,बरखा है ये भादो की, बरसे तो बड़ी बरसे,दरवाजा खुला रखना, दरवाजा खुला रखना

इब्ने इंशा भादो की विशेषता कुछ यूं ही बयां करते हैं। फागुन के बादल जहां छुटपुट बरसकर निकल जाते हैं वहीं भादो जब बरसता है तो खूब ही बरसता है। दूर-दूर से उमड़ते-घुमड़ते खूब कारे-कजरारे बादल आते और छाते चले जाते हैं। सूरज बादलों के पीछे गायब हो जाता है। हर तरफ छांह-छांह सी हो जाती है। ठंडी बयार बहने लगती है। पेड़-पालौ झूमने-मचलने लगते हैं। पंछी कोलाहल करते हैं।पपीहा पी को पुकारने लगता है और मयूर नाचने लगता है। बस यूं लगता है कि पूरी कायनात ही इन बादलों के आगमन ने मदमस्त हो रही है। फिर जब बूंदें टूट-टूटकर बिखरने लगती हैं तो उससे एक मधुर सा संगीत पैदा होता है। पेड़ों की पत्तियों पर गिरती ये बूंदें शांति का संगीत पैदा करती हैं। तपती-तरसती धरती अपना आंचल फैला देती है। सीली-सीली सी हवा इधर-उधर भागती फिरती है। मानो सभी को अपनी आगोश में ले सकने को आतुर हो रही है। एक बार जब झड़ी लगती है तो खूब-खूब बारिश होती है। भादो का महीना अपने साथ उल्लास लाता है। मन खिला-खिला सा हो जाता है। सावन की तरह ही भादो का महीना भी बड़ा ही रूमानियत भरा है। भादो की बूंदें प्रेमियों को अपने रस में भिगो डालती हैं।

भादो को भाद्रपद भी कहते हैं। यह वर्षा ऋतु का आखिरी मास है। इस साल भादो 20 अगस्त से शुरू हुआ और इस महीने 17 सितंबर को यह मास खत्म हो जाएगा। बरखा ऋतु जून के आखिर में शुरू होती है। हिंदी मास के हिसाब से देखें तो इस ऋतु के दो प्रमुख मास हैं। सावन और भादो। यह दोनों ही मास खूब बसरते हैं। इब्ने इंशा कहते हैं- **सावन-भादो साठ ही दिन हैं फिर वो रुत की बात कहां, अपने अश्क मुसलसल बरसें अपनी-सी बरसात कहां।** भादो के बाद आसौं में भी हल्की बारिश हो ही जाती है। 17 सितंबर के बाद आसौं (आश्विन) या कुंवार शुरू हो जाएगा। कुंवार से शरद ऋतु का आगमन हो जाता है। यहां से न सिर्फ बारिश बल्कि गर्मी की भी विदाई शुरू हो जाती है। भादो रूमानियत भरा मास है। फिल्मों और फिल्मी गीतों ने वर्षा ऋतु के इस मास को प्रमियों के बीच काफी लोकप्रिय कर दिया। भादो को लेकर खूब सारे गीत बनाए गए हैं। 60 से 80 तक का दशक ऐसा था, जब हर पांचवी फिल्म में वर्षा पर एक गीत या कोई सीन जरूर होता। ऋतुराज बसंत के बाद वर्षा ऋतु को ही प्रेमियों का मौसम कहा गया है। इस मौसम का सभी को इंतजार रहता है। इस ऋतु में न सिर्फ पूरी कायनात बल्कि तन-मन भी भीग जाते हैं। निखर जाते हैं। संवर जाते हैं। साहित्य में भी भादो प्रेम और विरह का मास है। मलिक मोहम्मद जायसी ने 'बारहमासा' में भादो मास में विरह का सीजव चित्रण किया है। 'बारहमासा' 'पदमावत' का एक हिस्सा है। 'बारहमासा' में जायसी प्रेयसी के विरह को चित्रित करते हुए कहते हैं- **चढा आसाढ़, गगन घन गाजा,साजा विरह दूंद दल बाजा,सावन बरस मेह अति पानी, भरनि परी, हौं विरह झुरानी, भा भादो दूभर अति भारी,कैसे भरौं रैन अधियारी,लाग कुंवार, नीर जग घटा,अबहुं आउ कंत, तन लट, कातिक सरद चंद उजियारी जग सीतल, हो विरहै जारी** अर्थात, आसाढ़ मास के आते ही बादल उमड़ने-घुमड़ने लगते हैं और हर तरफ छा जाते हैं। यह मास सावन के आने का संदेसा देने लगता है। सावन मास में नायिका का दिल अपने प्रियतम से मिलने के लिए बेचैन हो रहा है। उसकी यही हालत भादो मास में भी है। अलबत्ता कुंवार के महीने में नायिका के मन में पिया मिलन की उम्मीद जगी है। अब वर्षा कम और थम के हो रही है। जल का प्रकोप कम हो गया है। रास्ते सूख गए हैं। इससे आवागमन शुरू हो गया है। अब उसके पिया के आने की आस बढ़ सी गई है। वह अपने प्रियतम से कहती है कि मेरा शरीर वियोग से बीमार हो गया है।अमीर खुसरो ने भादो पर भी पहेली कही है- **सावन भादो बहुत चलत है, माघ पूस में थोरी, अमीर खुसरो यूं कहें तू बुझ पहेली मोरी**

भादो मास खेती के लिए बहुत मुफीद होता है। इन दिनों खेतों में धान की फसल रोपी जा चुकी होती है। खेतों की तरफ निहार कर देखें। यूं लगता है जैसे दूर-दूर तक किसी ने हरा कालीन बिछा रखा है। मखमली कालीन। इसे निहारना बहुत मनोरम लगता है। किसान कहते हैं कि भादो की बूंदे धान के लिए सोने के समान हैं। लोक कवि घाघ भादो मास को लेकर भविष्यवाणी करते हैं-भादो की छठ चांदनी, जो अनुराधा होय, ऊबड़ खाबड़ बोय दे, अन्न घनेरा होय। घाघ कहते हैं कि अगर भादो सुदी छठ को अनुराधा नक्षत्र पड़े तो इस दौरान ऊबड़-खाबड़ जमीन में भी अन्न बो देना चाहिए। इस दिन अनाज बोने से पैदावार बहुत अच्छी होती है। घाघ ने भादो में भोजन को लेकर भी समझाया है। घाघ ने कहा है-सावन साग न भादो दही,क्वार करैला न कार्तिक मही। यानी वर्षा ऋतु के सावन मास में साग का और भादो मास में दही का सेवन नहीं करना चाहिए। कुंवार में करैला और कार्तिक में मट्ठा नहीं खाना चाहिए। ये सभी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। भादो जाने-जाने को है। इसी के साथ बरस भर के लिए वर्षा ऋतु भी विदा ले चलेगी। फिर शरद पूर्णिमा से नई ऋतु का आगमन होगा। मौसम बदलेगा। मन बदलेगा। जीवन बदलेगा। बदलता मौसम उल्लास के नए मौके लेकर आएगा। -साभार

बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण

■ अनु साइकॉम

जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। शिल्प कौशल, इंजीनियरिंग और वास्तुकला की मिसाल देते चिड़िया के घोंसले अक्सर नदी नहर के किनारे पेड़ों की शाखाओं पर लटकते देखने को मिल जाते हैं। ये घोंसले बया पक्षी के होते हैं जो कि अपने घोंसले के निर्माण कौशल के लिए प्रसिद्ध है। यह पक्षी एक बल्बनुमा कक्ष जैसा घोंसला बनाते हैं, जो देखने में लालटेन जैसे लगते हैं जिन्हे घास, पत्तियों और टहनियों का उपयोग करके बनाया जाता है।ये घोंसले मजबूत होते हैं और पक्षियों और उनके अंडों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। बया का घोंसला अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण है, इसके निर्माण के लिए, मरम्मती धागों का उपयोग करते हुए यह पक्षी घोसलों को डिज़ाइन करती है जो खुद को मजबूती से बांध लेता है। इस तरह के घोसलों ने बया वीवर को उनके इंजीनियरिंग कौशल के लिए मशहूर बना दिया है। ये घोसले नर पक्षी द्वारा बनाए जाते हैं जिसे वो मादा बया पक्षी को रिझाने और आकर्षित करने के लिए बनाते हैं। प्रजनन के मौसम के दौरान, नर बया मादाओं को आकर्षित करने के लिए अपने घोंसले बनाने के कौशल का प्रदर्शन करते हैं। संभावित साथी को प्रभावित करने की उम्मीद में, वे सावधानी से अपने घोंसले बुनते और सजाते हैं।

जब घोंसले निर्माण पूरा होता है, तब मादा उसे मान्यता देती है या छोड़ देती है और यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी सुंदरता और मजबूती से घोंसला बनाया गया है। बया एक पोलीगेमी पक्षी है जिसका अर्थ है कि नर एक से ज्यादा मादा के साथ मेटिंग करता है जबकि मादा सिर्फ एक नर के साथ ही मेटिंग करती है। कुशल वास्तुकारों की तरह बया भी विभिन्न आकृतियों और आकारों में अपने घोसलों का निर्माण करते हैं। कुछ घोंसले पेड़ की शाखाओं से लटकते हैं, जबकि अन्य लंबी घास के बीच बने होते हैं। यह एक सामाजिक पक्षी है और अक्सर कॉलोनियों में अपना घोंसला बनाते हैं। वे निर्माण प्रक्रिया में एक दूसरे की मदद करते हुए सद्भाव में एक साथ काम करते हैं। ये पक्षी अक्सर तीन साधनो को प्राथमिकता देते है जिनमे शामिल है खाना, पानी, और सुरक्षा।

ये पक्षी किसानों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे कीड़ों और कीटों को खाते हैं, जिससे उनकी आबादी को स्वाभाविक रूप से नियंत्रित करने में मदद मिलती है। बया निवासी पक्षी है, जिसका अर्थ है कि वे लंबी दूरी तय नहीं करते हैं। वे आमतौर पर सालभर अपने पसंदीदा आवास में रहते हैं, और भारतीय जलवायु की गर्माहट का आनंद लेते हैं। बया पक्षी वास्तव में प्रकृति के कलाकार हैं, जो अपने शानदार घोंसलों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन करते हैं। बया एक आदर्श प्राकृतिक निर्माता है जो अपने घोंसलों को सुंदरता और सुरक्षा से भर देती है। इसकी खूबसूरती और अनोखापन को देखकर हम सभी को प्रेरित होना चाहिए कि हम भी अपने कौशल और विचारशीलता का उपयोग करके अपने जीवन को सुंदर बनाएं।

शांति की राह पर चलने का आव्हान

विश्व शांति दिवस विशेष

■ दिलीप कुमार पाठक

शांति वाद - प्रतिवाद का विषय नहीं है, जिस पर विमर्श किया जाए, शांति स्वस्थ, समृद्ध समाज की आवश्यकता है. शांति ही वो रास्ता है जो प्रगति की ओर ले जाता है, वैसे भी युद्ध, हिंसा, घृणा से चित्कार के अलावा कुछ नहीं निकलता. युद्ध समाज एवं राष्ट्र को सीधा विनाश की ओर ले जाता है, अतः जब तक सारे मार्ग बंद न हो जाएं तब तक शांति के अतिरिक्त कोई समृद्ध रास्ता है नहीं है. आज हमारे समाज में भी नफ़रत पंख फैला रही है. सीरिया, अफगानिस्तान, फलस्तीन, रसिया, यूक्रेन से पहले हमें अपने राष्ट्र में फैल रही घृणा, नफ़रत को खत्म करने के लिए आगे बढ़ना होगा.. भारत ने हमेशा शांति की बात की है, भारत ने हमेशा शांति की बात इसलिए नहीं कि है कि भारत ने युद्ध नहीं लड़े, बल्कि भारत इसलिए शांति की बात करता है कि भारत को युद्ध की विभीषिका का मर्म पता है. भारत हज़ारों युद्ध जी चुका है, भारत हज़ारों युद्धों का गवाह है. भारत ने वो खूनी तांडव देखे हैं अतः भारत का उतरदायित्व बढ़ जाता है कि वो दुनिया को शांति की कीमत समझाए. और भारत ने हमेशा से ही शांति का मार्ग अपनाया है. आज हम अपने देश में एक - दूसरे से असहमत हो सकते हैं लेकिन हमें पता है कि असहमतियों के बीच कड़वाहट नहीं होनी चाहिए. भारत ने इतिहास में असहमतियों के बीच कड़वाहट का वो दौर जिया है. दो सौ साल की लम्बी गुलामी झेलते हुए भारत के हमारे एक महान पूर्वज महात्मा गांधी ने शांति, अहिंसा की बात की थी. ऐसा नहीं है कि गांधी जी की एक हुंकार पर करोड़ों लोग युद्ध लड़ने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन गांधी जी को पता था कि युद्ध केवल एक सैनिक एक नागरिक नहीं लड़ता, बल्कि युद्ध एक बेटा, बाप, भाई, पति, युद्ध लड़ता है, जिसके साथ कंधे से कंधा मिलकर माँ, पत्नी, बेटी, बहिन भी युद्ध में भाग लेती है. युद्ध की विभीषिका आने वाली पीढ़ियों को चुकाना पड़ता है. युद्ध नफ़रत से शुरू होता ज़रूर हैं लेकिन युद्ध मुहब्बत की उम्मीद पर खत्म होता है, अतः मुहब्बत का रास्ता कभी भी नहीं त्यागना चाहिए।

महात्मा गांधी अहिंसा, शांति के ऐसे दूत थे जो अपने आचरण से पूरे विश्व को शांति का मार्ग दिखाते हैं. ये सोचने की बात नहीं है कि आज गांधी जी होते तो क्या करते. बापू अहिंसा त्याग कर अधिकांश युद्ध के मार्ग पर चल पड़ी दुनिया के विरुद्ध खड़े दिखाई देते. आज गांधी जी अनशन पर बैठे हुए दुनिया को शांति की स्थापना का मार्ग बताते, क्योंकि शांति ही प्रगति पथ है. गांधी जी का सबसे प्रमुख जीवन का मंत्र अहिंसा था और वे आज भी अहिंसा के महत्व का प्रचार कर रहे होते और अहिंसा की प्रासंगिकता लोगों को समझा रहे होते. उन्होंने अपने जीवन में अंग्रेजों के अत्याचार को देखा सहा और उनके शक्तिशाली होने के बाद भी उनसे निपटने के लिए अपने निजी जीवन और धार्मिक मूल्यों को लागू किया और सत्य और अहिंसा का रास्ता निकाला. अहिंसा अर्थ हिंसा ना करना होता है, किसी की हत्या ना करना या किसी को कष्ट ना पहुंचाना होता है. व्यापक अर्थ में अहिंसा को किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वनऔर वाणी से नुकसान ना पहुंचाना और कर्म से किसी भी प्राणी की हिंसा का नहीं करना ही अहिंसा है. केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो अहिंसक हो सकता है, क्योंकि उसमें चेतना होती है. अहिंसा ही समस्त शक्तियों में सबसे शक्तिशाली है. बापू कहते थे - ÷कमजोर नहीं बल्कि सही अर्थों में शक्तिशाली ही क्षमा कर सकता है और जो हिंसा करता है वास्तव में वह कमजोर ही है. कभी - कभार क्रोध को पानी की भांति पी जाना चाहिए. क्षमा धर्म है, क्षमा ही यज्ञ है, क्षमा ही वेद है, क्षमा ही ब्रम्ह है,

क्षमा ही सत्य है, क्षमा तप है, क्षमा शक्तिशाली का बल है. अतः क्षमा का मार्ग कभी नहीं त्यागना चाहिए. भारत को दो सदी से अधिक समय तक गुलाम बनाकर रखने वाला ब्रिटेन अपनी संसद में गाँधी जी की प्रतिमा बनाकर गांधी जी के अहिंसा के मार्ग पर चलने की कसमे खाता है, यही गांधी जी की सबसे बड़ी ताकत है. श्री कृष्ण, बुद्ध, गांधी जी हर किसी ने शांति को परम आवश्यक बताया है. आज जब दुनिया के हुक्मरानों को युद्ध की सनक रहती है.. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी दुनिया में युद्ध हुए जिनकी निशानियाँ आज भी मिटी नहीं है वो रहकर पूरी मनुष्यता पर कलंकित होने का आरोप लगाती हैं.

आज के आधुनिक दौर में यूनाइटेड नेशन जब पूरी दुनिया के बॉस होने का दावा करता है, उसकी दुनिया में कितनी सुनी जाती है, वो विमर्श का विषय है, लेकिन यूनाइटेड नेशन ने कभी भी शांति को विकल्प नहीं कहा बल्कि उसने हमेशा शांति को आवश्यकता के रूप में देखा है. इसलिए ही यूनाइटेड नेशन ने 21 सितंबर को विश्व शांति दिवस के रूप में घोषित कर रखा है. विश्व शांति दिवस या 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है. शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात हस्तियों को शांतिदूत भी नियुक्त कर रखा है.

शांति सभी को प्यारी होती है, इसकी खोज में मनुष्य अपना अधिकांश जीवन न्यौछावर कर देता है, परन्तु कितना अफसोसजनक है कि आधुनिक होती पीढ़ियां शांति छोड़कर साम्राज्यवाद की ओर बढ़ रही हैं. भला ऐसे कैसे शांति स्थापित हो सकती है?

आज इंसान दिन-प्रतिदिन शांति से दूर होता जा रहा है. आज चारों तरफ फैले बाजारवाद ने शांति को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है. पृथ्वी, समुद्र, अंतरिक्ष सभी जगह क़ब्ज़ा कर लेने वाली सोच दुनिया को उन्माद की ओर ले जा रही है. स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है. यूँ तो 'विश्व शांति' का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन इसको अमल में लाने वालों की संख्या उन्मादी लोगों से बहुत ज़्यादा रही है लेकिन समय - समय पर कुछ महात्वाकांक्षी सोच के प्रभावशाली व्यक्तियों के कारण शांति अपभंग होती रही है.

फिर भी भारत ने शांति का क्षमा का मार्ग कभी नहीं छोड़ा. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जब इंग्लैंड गए तो उनकी मुलाकात ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री चर्चिल से हुई. पिछली बातों को याद करते हुए चर्चिल ने जब उनसे पूछा - ÷आपने अंग्रेजों के शासन में कितने वर्ष जेल में बिताए? नेहरू का जवाब था कि 10 वर्ष.. चर्चिल ने पुन: सवाल किया -÷ तब तो अपने साथ किए गए व्यवहार के प्रति आप हमसे घृणा करते होंगे? पंडित नेहरू ने तपाक से उत्तर दिया - ÷बिल्कुल भी ऐसा नहीं है, हमने एक ऐसे नेता के नेतृत्व में काम किया है, जिसने हमें दो बातें सिखाई, एक किसी से डरो मत और दूसरा, किसी से घृणा मत करो.. हम उस समय आपसे डरते नहीं थे और आज घृणा भी नहीं करते.. दरअसल नेहरू जी ने महात्मा गांधी की बात की थी. यही कारण है कि पण्डित नेहरू ने विश्व में शांति स्थापित करने के लिए पाँच मूल मंत्र दिए थे, इन्हें ही %पंचशील के सिद्धांत% कहा जाता है. जनकल्याण एवं विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं, जो कुछ इस तरह हैं,

एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना...
एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्रवाई न करना..
एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना..
समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना..
शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना..

माना जाता है अगर विश्व उपरोक्त पाँच बिंदुओं पर अमल करे तो हर तरफ़ चैन और अमन का ही वास होगा..

आज प्रत्येक व्यक्ति को गहराई से सोचना होगा, कि ये दौर बड़ा सस्ता है. तब ही सोचना होगा मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है. मानव कल्याण की सेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं. भाषा, संस्कृति, पहनावे भिन्न-भिन्न हो सकते हैं, लेकिन विश्व के कल्याण का मार्ग एक ही है. मनुष्य को नफरत का मार्ग छोड़कर प्रेम के मार्ग पर चलना चाहिए. शांति के महत्व को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 1982 में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया कि हर 21 सितम्बर को 'विश्व शांति दिवस' मनाया जाएगा. इस सदी में विश्व में फैली अशांति और हिंसा को देखते हुए हाल के सालों में शांति कायम करना मुश्किल ही लगता है, किंतु उम्मीद पर ही दुनिया कायम है और यही उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही वह दिन आएगा, जब हर तरफ शांति ही शांति होगी... वैसे भी शांति, क्षमा, का मार्ग कभी भी नहीं त्यागना चाहिए। - लेखक पत्रकार हैं

ऑल इंडिया फायरिंग कंपटीशन में मुस्कान राजपूत को दो सिल्वर मैडल

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

कहते हैं कि पढ़ाई में लगन और कुछ करने की इच्छा अगर मन में है तो सब रास्ते आसान हो जाते हैं ऐसा ही कुछ कर दिखाया राजपूत समाज की इस बेटी ने ग्राम कलमेश्वर के छोटे से गांव में रहने वाली मुस्कान राजपूत पढ़ाई लिखाई में तो हर साल अव्वल आती है इस बार मुस्कान ने दिल्ली में जाकर दो सिल्वर मेडल लाकर अपने क्षेत्र सहित राजपूत समाज का गौरव बढ़ाया। मुस्कान ऑल इंडिया फायरिंग कंपटीशन दिल्ली में सेकंड पोजीशन में आ कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

13 एम पी बटालियन नर्मदापुरम एमजीएम कॉलेज की होनहार छात्रा एनसीसी कैडेट मुस्कान राजपूत ने थल सैनिक कैंप नई दिल्ली में आयोजित

ऑल इंडिया फायरिंग कंपटीशन में टॉप पोजीशन प्राप्त कर विजय हासिल कर ऑल इंडिया में सेकंड पोजीशन सिल्वर मेडल हासिल किया।अपने बेहतर परफॉर्मेंस के बाद दिल्ली से लौटने पर इटारसी रेलवे स्टेशन पर एनसीसी के अधिकारियों ने भी मुस्कान का स्वागत किया। बही परिजनों ने बधाई दी

बधाई देने वालों में राम सिंह राजपूत,तुषार सिंह राजपूत,देवेंद्र सिंह राजपूत,श्रीमती किरण राजपूत, श्रीमती सुखिया राजपूत, श्रीमती लक्ष्मी राजपूत, श्रीमती गुडुउया मामी,श्रीमती भारती चंदेल, संतोष सिंह चंदेल(पत्रकार) राघवेंद्र सिंह चंदेल (टुकटुक) राजवीर सिंह चंदेल (कान्हा) संतोष सिंह राजपूत,दुर्गेश सिंह राजपूत,सुरेश सिंह राजपूत,धर्मेंद्र सिंह राजपूत,योगेश राजपूत,सोनू राजपूत,जितेंद्र सिंह राजपूत,उदय,अमन राजपूत सहित समाज के करणी सेवा और राजपूत समाज के लोगों ने मुस्कान को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

साडा पचमढ़ी द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े में साफ सफाई अभियान चलाया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

साडा पचमढ़ी द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े में आज के कार्यक्रम के अंतर्गत आदिम जनजाति कल्याण शाला

पचमढ़ी में साफ सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें पिपरिया एसडीएम श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही। कार्यक्रम में डाइट पचमढ़ी की छात्राओं द्वारा सफाई का संदेश देने हेतु नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। इसके साथ ही कचरा प्रबंधन के गीत की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई। आदिम जनजाति कल्याण की छात्राओं द्वारा प्लास्टिक पॉलिथीन को दूर करने का बहुत ही सुंदर संदेश दिया गया। एसडीएम ने भी पचमढ़ी को प्लास्टिक एवं पॉलीथिन मुक्त रखने की शपथ दिलाई। अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अपनी मां के नाम पौधा रोपण किया । कार्यक्रम में तहसीलदार वैभव बैरागी, पचमढ़ी साडा सीईओ नीरज श्रीवास्तव, सहायक संचालक एसटीआर संजीव शर्मा, एसडीओ पीडब्लूडी, साडा उपयंत्री कैलाश गुर्दे, कृष्ण कुमार धीमोले डाईट, रतन सिंह गढ़वाल छात्रावास अधीक्षक एवं साडा के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेशम दिवस : शासकीय रेशम परिसर मालाखेड़ी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रेशम के क्षेत्र में लखपति बनी दीदीयां, अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

रेशम दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय रेशम परिसर मालाखेडी में किया गया। इस अवसर पर मैसूर में आयोजित सिल्कड डे पर केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह की उपस्थिति में समारोह मनाया गया। जिसका सीधा प्रसारण मालाखेडी में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को दिखाया गया। जिला रेशम अधिकारी ने बताया कि 20 सितम्बर 1948 को केन्द्रीय रेशम बोर्ड की स्थापना की गई थी, इसके प्रथम अध्यक्ष पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे। रेशम दिवस पर राज्य के समस्त जिला अधिकारी रेशम उपस्थित थे । कार्यशाला में सरदार वल्लभ भाई पॉलिटेक्निक कालेज की फेशन टेक्नालॉजी विभाग द्वारा तैयार की गई डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया ।

रेशम दिवस पर मालाखेडी में आयोजित कार्यक्रम में रेशम के क्षेत्र में कार्य करके लाखों रूपये की आय अर्जित करने वाली दीदीयों एवं रेशम उत्पादन को बढावा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिन दीदीयों एवं अधिकारी व कर्मचारियों को सम?मानित किया वे है श्रीमती सुमन यादव पति नारायण यादव रेशम केन्द्र गूजरवाडा जिन्होने वर्ष 2023-24 में मलबरी ककून उत्पादन व चाकी कृमिपालन से एक एकड़ से राशि रू 249637/- (रूपये दो लाख उन्चास हजार छः सौ सैतीस) की आय अर्जित की। उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम?मानित किया गया। इसी क्रम में श्रीमती ज्योति पति मोहन यादव रेशम केन्द्र पलिया पिपरिया तहसील बनखेड़ी जिन्होने वर्ष 2023-24 में मलबरी ककून उत्पादन एवं चाकी कृमिपालन से एक एकड़ से राशि रूपये 250000/- (रूपये दो लाख पचास हजार) की आय अर्जित की। श्रीमती सुआबाई पति बबलू भलावी, शासकीय रेशम केन्द्र झगड़िया जिला बैतूल जिन?होने वर्ष 2024-25 में मलबरी ककून उत्पादन एवं चाकी कृमिपालन से एक एकड़ से राशि रूपये 200000/- (रूपये दो लाख की आय अर्जित की, इस उपलक्ष में उन्हें रेशम दिवस पर सम्मानित किया गया

रेशम दिवस के अवसर पर उन अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होने रेशम को बढावा देने एवं पौधरोपण करने तथा क्रमिपालन एवं फसल उत्पादन में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यशाला में दीपक वर्मा, फील्ड आफीसर रेशम विभाग बैतूल ने इस वित्तीय वर्ष में बैतूल में उत्कृष्ट कार्य किया, इनके द्वारा इस वर्ष निजी विस्तार क्षेत्र में प्रदेश के सर्वाधिक 95 एकड़ में शहतूत पौधरोपण करवाया गया इस हेतु इन्हें रेशम दिवस पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कैलाश यादव, आप्रेटिव्ह मालाखेड़ी को रेशम धागाकरण इकाई, टसर धागाकरण इकाई मालाखेड़ी में नियमित उपस्थित होकर कार्य को गति प्रदान करने पर तथा औंकार पिता शिवप्रसाद, शासकीय कोसा बीज केन्द्र सुखतवा विकासखण्ड केसला ने वर्ष 2024-25 में टसर कृमिपालन की प्रथम फसल में 24650 नग टसर कोसा उत्पादन कर राशि रूपये 60456/- (रूपये साठ हजार चार सौ छप्पन) की आय अर्जित की, इस उपलक्ष में रेशम दिवस पर उन्हें सम्मानित किया गया।

आंगनबाड़ी में मनाया गया राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय पोषण माह वार्ड 26 के आंगनबाड़ी केंद्र 26 .1, 2 और 4 में मनाया गया। जिसमें पोषण अभियान की थीम पोषण भी पढ़ाई भी की जानकारी दी गई। रंगोली के एवम पोषण प्रदर्शनी के माध्यम से सभी गर्भवती एवं धात्री माता को नवजात शिशु की देखभाल करने एवं पोषण परामर्श सेक्टर सुपरवाइजर आस्था शिवहरे के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुमताज खान, रश्मि रावत, शहनाज के द्वारा सभी उपस्थित महिलाओ को लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं आंगनबाड़ी से संबंधित जानकारियां वार्ड की गर्भवती धात्री माताओं को दी गई।कार्यक्रम में वार्ड की महिलाएं उपस्थित थी।

इंडस्ट्रियल एरिया दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष पद का दायित्व संभालेंगे अरुण दीक्षित

नर्मदापुरम। हाउसिंग बोर्ड स्थित इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष अवध नारायण चौहान के नेतृत्व में दुर्गा उत्सव समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व समिति से अरुण दीक्षित को अध्यक्ष बनाया गया इसके साथ ही समिति संरक्षक महेंद्र सरदार राम नवलानी उपाध्यक्ष ओम पुरोहित सत्यम तिवारी महासचिव रमेश साहू सचिव मुरारी अग्रवाल कोषाध्यक्ष अनिल विजयवर्गी सह कोषाध्यक्ष राजू राव को बनाया गया बैठक में प्रशांत सक्सैना गौरव सेठ अतुल गोर सत्या चौहान चिंटू सरदार गुड्डू भाई जान लाल सिंह चौहान पंडित गोलू शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित हुए अरुण दीक्षित ने बताया कि मां दुर्गा की स्थापना के साथ ही अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम भी आयोजित करने का समिति द्वारा निर्णय लिया गया है रात्रि में आरती का समय 8-30 बजे एवं प्रातः 9-00 बजे का समय निश्चित किया गयाकार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया के सभी लोगों से निवेदन किया है कि इस पुण्य कार्य में आत्मीयता से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

कोशिश पर्यावरण सेवक टीम में जिले के प्रभारी बने विश्नोई

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली जोधपुर (राजस्थान) की संस्था कोशिश पर्यावरण सेवक टीम का मध्य प्रदेश में धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। टीम के मध्यप्रदेश प्रभारी शांतिलाल विश्नोई सारन (हरदा) की अनुशंसा पर संस्था के राष्ट्रीय प्रभारी खम्मूराम विश्नोई ने युवा समाजसेवी ईश्वर विश्नोई को नर्मदापुरम जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। खम्मूराम विश्नोई एक पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय में सहायक रजिस्ट्रार पद पर कार्यरत हैं। संस्था विश्नोई पंथ के संस्थापक गुरु जम्भेश्वर भगवान के बताये मार्ग पर चलते हुए पर्यावरण सुरक्षा और संवर्द्धन का कार्य करती है। संस्था द्वारा सिंगल यूस प्लास्टिक का प्रयोग न करने, पानी पीने हेतु तांबे के लोटों का प्रयोग करने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, पक्षियों के लिए घोंसला निर्माण, जलपात्र लगाने तथा नशामुक्त, कचरा मुक्त एवं जूठन मुक्त समाज का निर्माण करने के लिए कार्य किया जाता है। ईश्वर विश्नोई की नियुक्ति पर राष्ट्रीय प्रभारी खम्मूराम विश्नोई, प्रदेश प्रभारी शांतिलाल सारन व अन्य साथियों ने हर्ष जताकर बधाईयां दी। ईश्वर विश्नोई ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में जल्द ही टीम का विस्तार किया जाएगा। निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले साथी इन नम्बर 9165835404 पर सम्पर्क कर विस्तार से जानकारी ले सकते हैं।

मेट्रो एंकर | सदस्यता अभियान कार्यक्रम, बडी संख्या में आए नागरिक

विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का सम्मान किया

इटारवी, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी के चल रहे सदस्यता अभियान के तहत आज पुरानी इटारसी भाजपा नगर मंडल के वार्ड 02 में सदस्यता अभियान चलाया गया। वार्ड में युवा भाजपा नेता कुनाल पासवान द्वारा सदस्यता अभियान कार्यक्रम व विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का सम्मान समारोह यहां आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य रुप से विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, पूर्व उपाध्यक्ष नपा अरुण चौधरी, पार्षद जिम्मी कैथवास, भाजपा नगर महामंत्री राहुल चौरे, गोविंद मेहतो, महिला मोर्चा अध्यक्ष बबीता चौहान, युवा भाजपा नेता कुनाल पासवान, पूर्व पार्षद अभिषेक कनोजिया, भवानी दुबे, अतुल शुक्ला, देवेंद्र परिहार, सौरभ राजपूत, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ चौधरी, आलोक शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वागत भाषण देते हुए कुनाल पासवान ने कहा कि विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का स्नेह इस वार्ड पर हमेशा रहा है, हमारे पूर्व पार्षद व नपा उपाध्यक्ष अरुण चौधरी यहां मंच पर मौजूद हैं, उन्होंने इस वार्ड में अनेक विकास कार्य कराए हैं। पासवान ने कहा कि नपाध्यक्ष पंकज चौरे भी लगातार जनता से संवाद करते हैं और वार्ड में आते रहते हैं। इसी तरह का स्नेह वार्ड पर हमेशा बना रहे।

इस अवसर पर विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने मौजूद जनता से कहा कि अभी चुनाव का समय नहीं है, बावजूद हम आपके बीच हैं और इस उमस भरी गर्मी में आप सभी बडी संख्या में आ गए, यह आपका हमारे प्रति विश्वास है। हम इस विश्वास को कभी नहीं तोडेंगे। डॉ शर्मा ने कहा कि सदस्यता अभियान इसलिए चल रहा है ताकि समाज का एक बडा वर्ग भी सीधे तौर पर राष्ट्रवादी पार्टी से जुडे। उन्होंने कहा कि आपके बीच में कुनाल पासवान काफी सक्रिय हैं, आपके हितों की बात लगातार करते हैं। आप जब भी जैसा भी आदेश हमें देंगे हम उसे पूरा करेंगे। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी वर्ग के लिए योजनाएं लाकर उन्हें आगे बढाने का काम कर रही है, लगातार जनता से संपर्क में रहती है। आप सभी अपने अपने घर में सदस्यों को भाजपा का सदस्य बनाएं। कार्यक्रम को भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी ने भी संबोधित किया।

दो युवाओं ने ज्वाइन की भाजपा

कार्यक्र म में विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के समक्ष कुनाल पासवान ने केसला ब्लॉक के कांग्रेस अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष रहे विकास खंडेलवाल और अतुल राजपूत को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर वार्ड के नागरिक प्रमुख रुप से मुकेश सारवान, विशाल पासवान, रविंद्र मेहतो, विक्की मेहतो, दुर्गेश पटेल, रानू राजपूत, संजय काकाल, सुनीता यादव सहित बडी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

नपा अध्यक्ष, सीएमओ अमले के साथ पहुंचे बस स्टैंड, स्वच्छता का दिया संदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

इस साल पानी की कमी के कारण सभी को मुश्किलों का सामना करना पड़ा इसके बाद भी नगर पालिका परिषद के द्वारा नवीन बस स्टैंड पर पानी पीने के लिए बनाई गई प्याऊ का पानी अधिकांश वाहन चालकों के द्वारा अपने वाहनों को धोने में करके दुरुपयोग किया जा रहा था । 2 सालों से नगर में जल संकट हो रहा है इसके बाद नगरपालिका ने नहीं ली सीख शीर्षक के साथ हमारे संवादाता ने शनिवार के अंक में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू नगर पालिका के अमले को लेकर हाफिज याकूब बस स्टैंड पहुंचने में सबसे पहले प्याऊ के पानी का दुरुपयोग करने वाले वाहन चालकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा की प्याऊ का पानी केवल पीने के लिए उपयोग होना चाहिए इसके पानी से यदि किसी के द्वारा भी वाहनों को धोने में किया तो हमारे द्वारा कार्रवाई की जाएगी साथ ही प्याऊ के आसपास गंदगी भी काफी हो रही थी उसकी सफाई भी कराई टंकी के अंदर के पानी

को भी निकलवा कर उसकी भी विशेष रूप से सफाई कराई । गई इसके अलावा बस स्टैंड के आसपास हो रही गंदगी को भी निकलने का काम सफाई कर्मियों के द्वारा किया गया दुकानदारों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश देकर सफाई की महत्व से अवगत कराया गया। स्वच्छता सेवा पखवाड़े के तहत नगर पालिका के द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत नगर वासियों को जागरुक भी करने का काम नगर पालिका कर रही है। वहीं स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना कहा कि हम तो अपना काम कर रहे हैं पर नगर के सभी नगर वासियों को भी हमारा सहयोग करना पड़ेगा घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे को कचरा वाहन में ही डालें सड़क तथा नालियों में गंदगी ना करें सफाई की प्रति सभी लोग जागरूक रहें हमें भी जानकारी दें हम सफाई पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। नगर को साफ- स्वच्छ बनाने में सभी को मिलकर भूमिका निभानी होगी नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई और कहा कि हमें भी अपने शहर को सफाई में नंबर वन बनाना है सभी लोग मिलकर अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करें नगर पालिका का सहयोग करें। दौरान उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ ,पार्षदों के अलावा गणमान्य लोग मौजूद थे।

सभी प्रकार के खाद सहकारी समितियों में पर्याप्त भण्डारित

कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि विदिशा जिले की समस्त 154 सहकारी समितियों में सभी प्रकार के खादो का पर्याप्त भण्डार स्टॉक है। उन्होंने बताया कि किन्चित सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर यूरिया के संबंध में भ्रमक खबर प्रसारित की जा रही है जो सहीं नहीं है। जिले की सभी सहकारी समितियों में भण्डारित यूरिया सहित अन्य प्रकार के खादो का स्टॉक पर्याप्त भण्डारित है। समितियों को यूरिया एवं फॉशफेटिक खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है व अनवरत वितरण संपादित किया जा रहा है। सीईओ श्री सिंह ने बताया कि जिले में अभी तक 26776 मैट्रिक टन फॉशफेटिक (डीएपी, एनपीके) खाद एवं 18864 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है और वर्तमान में भी समस्त समितियो में स्टॉक उपलब्ध है तरल खाद भी समितियों के माध्यम से कृषकों की खेती की लागत को कम करने के लिए वितरित किए जा रहे है।

आंगनबाड़ी केंद्र नवीन भवन में शिफ्ट, परियोजना अधिकारी ने निरीक्षण कर जायजा लिया

अतिकुपोषित बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराया गया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

महिला एवं बाल विकास विदिशा शहरी परियोजना के परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह ने शनिवार को आंगनवाडी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया । उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 18/35 के भवन में समुचित सुविधाएं ना होने पर केन्द्र को नये भवन में स्थानांतरित कराया है। परियोजना अधिकारी श्री सिंह ने आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका के द्वारा केन्द्र संचालन में लापरवाही पाये जाने पर पांच दिन का मानदेय काटने के कार्यों को संपादित कराया है।

परियोजना अधिकारी संजय सिंह ने भ्रमण के दौरान जतरापुरा क्षेत्र की आंगनबाड़ी केंद्र के कुपोषित शिवांश अहिरवार माता कृष्णा पिता हेमंत अहिरवार को एनआरसी विदिशा में भर्ती कराया गया है। उन्होंने अधिनस्थों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एन आर सी में भर्ती बच्चे के माता-पिता से सतत् संपर्क बनाए रखें साथ ही नियमानुसार उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं।

समय पर संचालन करें-परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह ने भ्रमण निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों की सहायिकाओं एवं कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि केन्द्रों का संचालन नियत समय पर हो गभर्वती माताओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा टीकाकरण के कार्यों का संपादन हो इसके आलावा जिन्हें टेक होम राशन प्रदाय किया जा रहा उन्होंने समय पर मिले आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में कहीं किसी भी प्रकार की दिक्कत आती है तो अविलंब जानकारी में लाएं तथा तमाम पंजियों में रिकार्ड अपडेट रहें। जो डाटा आन लाइन दर्ज किया जाना है उसे सर्वोच्च प्राथमिकता से कराया जाए।

स्थानीय प्रशासन से मांग करने के बाद भी गेट नहीं खोला गया

आवारा मवेशियों को घेर कर किसान नपा की डिपो गोशाला लेकर पहुंचे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी रोड पॉलिटेक्निक के आसपास के मवेशियों को घेर कर किसान शुक्रवार रात नगर पालिका की डिपो गोशाला लेकर पहुंचे। जहां गोशाला का गेट नहीं खोला गया। स्थानीय प्रशासन से मांग करने के बाद भी गेट नहीं खोला गया और कहा कि यह गांव की मवेशी हैं शहर में नहीं रख सकते। जिससे नाराज किसानों ने मवेशियों को शहर की ओर भगा दिया। इतना ही नहीं नाराज किसानों ने कई घंटे तक का धरने पर बैठ कर लटेरी रोड पर जाम लगा दिया। सड़कों पर हो रहे हादसे रोड पर बैठे मवेशी दुर्घटना का और शिकार का हो रहे हैं। मवेशियों को रखने के लिए गोशालाए बनाई गई है पर शहर की हर प्रमुख सड़क मवेशियों का डेरा जमा हुआ है। सड़कों पर मवेशियों का यह जमावड़ा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन जाता है। वाहन मवेशियों से टकरा रहे । मवेशी घायल हो रहे हैं साथ ही वाहन चालक दुर्घटना के कारण घायल भी हो रहे हैं। बताया गया कि कुछ दिन पहले ग्राम भोरिया में एक बस हादसे में एक मवेशी की जान चली गई थी। वहीं वाहन चालकों को भी वाहन चलाना चुनौती बन गया। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा होने की संभावना है। इसके बाद भी इस समस्या को प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। मालूम हो कि यह बारिश का समय होने एवं कीचड़ व गंदगी के कारण मवेशी जमीन पर नहीं बैठ पाते ऐसे में सड़कों के सूखते ही मवेशियों के समूह सड़कों पर आकर बैठ जाता हैं। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी अधिक रहने से न वाहन चालक सुरक्षित आवागमन कर पा रहे न ही मवेशी सुरक्षित है। हर दिन बायपास समेत कई सड़कों पर मवेशी वाहनों की चपेट में आ रहे। वहीं कई चार वाहन चालक भी घायल हो जाते हैं। मवेशियों की भी अकाल मौत हो रही है। शहर में ऐसे मवेशियों की संख्या हजारों में है, जो मालिकों द्वारा छोड़े गए हैं। वे सड़कों के सहारे ही है। जबकि शहर में कई निजी गौशालाएं हैं। पूर्व में यहां से मवेशियों को एकत्रित कर निजी गौशालाओं सहित गोशालाओं तक भेजा जाता रहा है।

इनका कहना है-

अस्थाई गोशाला डिपो पर बनाई गई है। जिसमें शहर के मवेशी को रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्र से लोग रात के अंधेरे में बड़ी तादाद में शहर छोड़ जाते हैं। मवेशियों को रात में ग्रामीण क्षेत्र के मवेशी लेकर आए थे। इस गौशाला में इतनी क्षमता नहीं है कि उनको रखा जाए।

- राम प्रकाश साहू, *नगर पालिका सीएमओ*

किसान रोड पर बैठे मवेशी लेकर अस्थाई गोशाला छोड़ने लाए थे। लेकिन गोशाला में रखने से इनकार कर दिया यह शहर का मवेशी है गाव का तो गौशालाओं में रहता है। स्थानीय प्रशासन ने यह गौशाला बनाई है। ताकि रोड पर मवेशी ना बैठे। लेकिन यहां खाना पूर्ति हो रही है।

-नीलम यादव, *जिला पंचायत सदस्य*

जिला स्तरीय दूरसंचार समिति गठित

सिरोंज। राज्य शासन के द्वारा प्रदेश में दूरसंचार अवसरंचना की स्थापना को सुगम बनाने हेतु नीति, 2023 हेतु जारी दिशा-निर्देश,के पालन में जिला स्तरीय दूरसंचार समिति गठित की गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति में 9 सदस्यों को शामिल किया गया है। तदनुसार पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, जिले की समस्त निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को सदस्य मनोनीत किया गया है।

इसके अलावा ऊर्जा विभाग के अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के सहायक संचालक तथा बीएसएनएल के सब डिवीजनल इंजीनियर ट्रांसमिशन एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी और पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक को सदस्य नियुक्त किया गया है। उक्त समिति दूरसंचार अवसंरचना की स्थापना को सुगम बनाये जाने हेतु उत्तरदायी होगी।

कॉल बिफोर यू डिग एप्लीकेशन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

सिरोंज। प्रधानमंत्रीजी द्वारा लांच किये गए कॉल बिफोर यू डिग एप्लीकेशन जिसका उद्देश्य किसी भी खुदाई गतिवधि के दौरान ऑप्टिकल फाइबर केबल, पानी अथवा गैस पाइप लाइन, बिजली केबल आदि जैसी भूमिगत अवसरंचना सम्पतियों होने वाले नुकसान को रोकना है। कलेक्टर ने उपरोक्त निर्देशों के पालन में काल बिफोर यू डिग एप की सक्रिय निगरानी एवं एप्लीकेशन से मॉनिटरिंग के लिए आदेश जारी कर दिए हैं।

उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा, आप स्वयं स्वावलंबी बनेंगे, तभी बनेगा स्वावलंबी भारत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र के पथरिया स्थित दो निजी स्कूलों में शनिवार स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी जागरण मंच द्वारा उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए स्वदेशी जागरण मंच के जिला सह संयोजक चरण सिंह रघुवंशी ने कहा की हमारा भारत सदैव से विश्व गुरु रहा है ,हमारा सामान दुनिया में निर्यात किया जाता था तथा विश्व जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी सबसे जायदा थी, परंतु हमने विकेंद्री करण के स्थान पर केंद्रीकरण का रास्ता चुना और धीरे धीरे हमारे पारंपरिक व्यवसाय सिमटते गए अतः अब विद्यार्थियों को स्वरोजगार की तरफ बढ़ना चाहिए। वही इस अवसर पर सम्मानित किए गए उद्यमी चरण सिंह, ववलेश कुशवाह, रामपाल प्रजापति, जयपाल यादव, राकेश शर्मा, राजीव रघुवंशी को प्रसंस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यक्रम में आए सफल उद्यमियों ने विद्यार्थियों को स्वयं का रोजगार कर कैसे अपने आप को सफल बनाया जा सकता है इन सब बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी, साथ ही बताया कि देश में नौकरी से ज्यादा स्वरोजगार में उन्नति सफलतम हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब आप स्वयं स्वावलंबन का रास्ता अपनाकर सफल व्यवसाई बनेंगे तब ही स्वावलंबी भारत का सपना साकार हो सकता है। इसीलिए हम सबको मिलकर स्वरोजगार की तरफ एक स्वर में आगे बढ़ना चाहिए। वही कार्यक्रम का संचालन किशोर बघेल ने किया एवं आभार स्कूल के आचार्य ने व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर स्वच्छता व साफ सफाई की कार्यवाही

सिरोंज। स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा थीम पर सफाई अभियान एक अक्टूबर 2024 तक जारी है एवं 2 अक्टूबर को ष्स्वच्छ भारत दिवस समारोह मनाया जाना है। अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित 651 शासकीय उचित मूल्य दुकान परिसरों की साफ-सफाई की कार्यवाही विक्रेताओं द्वारा की गई है की जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने दी है। उन्होंने बताया कि जिला कार्यालय एवं अनुविभाग कार्यालय (खाद्य) में कर्मचारियों के द्वारा साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कार्य किए गए हैं। अभियान के आगामी दिनों में संचालित गोदाम परिसरों, कार्यालयों आदि में भी स्वच्छता के कार्य संपादित किये जाएंगे।

मेट्रो एंकर छत्री नाका चौराहा पर हुआ महाआरती का आयोजन

मुनिश्री 108 सुधासागर जी महाराज का धूमधाम से मनाया गया 42 वां दीक्षा दिवस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुनिश्री 108 पुगंव सुधा सागर महाराज का 42वा दीक्षा दिवस गुरू भक्तों द्वारा बडें ही धूमधाम से मनाया गया। शहर में पहली बार जैन समाज का कोई कार्यक्रम सार्वजनिक स्थान व शहर के मुख्य चौराहा छत्री नाका पर आयोजित किया गया। इस महाआरती कार्यक्रम में जैन समाज के श्रद्धालुओं अलावा पुरूष,महिला वर्ग,युवा वर्ग ने पूरी मस्ती के साथ नृत्य किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण भी किया गया। इस मौके पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कपिल त्यागी,कांग्रेस नेता रजत गौड,पत्रकार महासंघ के सरंक्षक शैलेन्द्र रघुवंशी,सुनील नगीना सहित बडी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहें। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कपिल त्यागी ने कहा कि जहां भी मुनि श्री पहुंचते हैं, वह धरती धार्मिक आनंद से सरोबोर हो जाती है। वे जिस भी स्थान गए वहां मंदिर निर्माण कराया। मंदिर निर्माण का कार्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मंदिर के माध्यम से व्यक्ति के जीवन मूल्यों में सकारात्मक परिवर्तन आता है, वह सत्य के मार्ग को चुनता है। उसके विचारों में संयम आता है और वह आध्यात्मिक विकास की ओर बढ़ता है। वही पत्रकार महासंघ के सरंक्षक वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि मुनि श्री के मार्गदर्शन में अनेक जगह गोशाला, विद्यालय, अस्पताल, लघु उद्योगों की स्थापना जैसे पुण्यार्थ के कार्य किए गए हैं, जिससे अनेक व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मुनिश्री के सानिध्य में ही कोटा में बालिका छात्रावास, चिकित्सालय और गोशाला का निर्माण कराया गया है। वहां अध्यनरत छात्रों के जीवन में संस्कारों की नींव पड़ी, सात्विक विचार शामिल हुए। ऐसी पीढ़ी को तैयार करने का श्रेय मुनिश्री को जाता है। उन्होंने कहा कि मुनिश्री अपने जीवन में हजारों किलो मीटर की पैदल यात्रा कर चुके हैं। ऐसी तपस्या और परिश्रम करने वाले मुनिश्री का सानिध्य आप सभी को मिला यह आप सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। वही कांग्रेस नेता रजत गौड ने आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज को नमोस्तु करते हुए कहा कि विद्यासागर जी के संदेशों और सिद्धांतों से आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक जागृति के साथ ही देश के बड़े-छोटे लघु उद्योगों को बढ़ावा मिला है। उन्हीं के शिष्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने अपने तप, तपस्या और कठिन परिश्रम से समाज में एक नई चेतना का प्रवाह किया है। उनके द्वारा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्य अंधकार में एक ज्योति के समान हैं। वही पत्रकार सुनील नगीना ने कहा कि देश और दुनिया में भगवान महावीर स्वामी के विचार आज और भी प्रासंगिक हो गए हैं। जैन धर्म जिस शांति, संभाव और अहिंसा का मार्ग बतलाता है। आज उसे दुनिया ने भी स्वीकारा है। महावीर स्वामी के विचारों को मुनि श्री सुधा सागर जी द्वारा आगे बढ़ाया गया है।

राशन उपभोक्ताओं की ईकेवायसी हेतु विशेष अभियान पांच अक्टूबर तक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन प्राप्त करने वाले प्रत्येक हितग्राही के ईकेवाईसी किया जाना है।शासन के निर्देशों के पालन में जिला विदिशा अंतर्गत 21 सितंबर से 05 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जायेगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि अभियान अवधि में शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता घर-घर जाकर ई- केवाईसी से शेष हितग्राहियों की ई केवायसी करवायेंगे। ततसंबंध में समस्त विकासखंडों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा विक्रेताओं की बैठक बुलाकर आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। विक्रेताओं को अवकाश के दिनों में भी ई केवायसी का कार्य किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का ई केवायसी शासकीय उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन में बायोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर किया जाता है। जिले में कुल 651 शासकीय उचित मूल्य दुकानें संचालित है। इन दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले कुल पात्र हितग्राहियों की संख्या 11,43,906 जिनमें से 3,86,926 हितग्राहियों के ईकेवाईसी करवाये जाना शेष हैं।

जिले के 3,86,926 हितग्राहियों के ईकेवाईसी कार्य शेष

डेंगू के अब तक 3413 सेम्पल लिए गए, 258 पॉजिटिव मरीजो में से 249 स्वस्थ हुए

सिरोंज। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में जिले के नागरिको को डेंगू से बचाव के उपायो, सुरक्षा तथा रोगग्रस्त हो जाने पर उपचार की जानकारियां स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से दी जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने चिन्हित क्षेत्रो में हर रोज सेम्पल लेने के निर्देश जिला मलेरिया अधिकारी को दिए गए है। ततसंबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार अभी तक 9465 घरो में लार्वा का सर्वे किया गया है जिसमें से 658 घरो में लार्वा पॉजिटिव पाया गया है।

मोनाको की 14 मैचों बाद पहली जीत बार्सिलोना को 2-1 से किया परास्त

मोनाको. एजेंसी

पिछले एक दशक से स्पेन का शीर्ष फुटबॉल क्लब बार्सिलोना यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीतने के लिए जूझ रहा है। इस बार भी स्पेनिश क्लब के लिए सीजन की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। बार्सिलोना को खेले गए मुकाबले में मोनाको ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने 2-1 से हराया। मोनाको ने 14 मैचों के बाद इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इससे पहले उसने 11 मैच हारे और तीन ड्रॉ खेले थे। मोनाको की जीत के हीरो 18 साल के जॉर्ज इलिनिखेना रहे, जिन्होंने मैच के 71वें मिनट में निर्णायक गोल दागा।

गोलकीपर की गलतियां पड़ी भारी

बार्सिलोना को इस मैच में गोलकीपर मार्क स्टेगन की गलतियां भारी पड़ी। वहीं एरिक गार्सिया को 10वें ही मिनट में रेड कार्ड मिला, जिससे बार्सिलोना को दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। मैग्नेस ने मोनाको के लिए 16वें मिनट में पहला गोल किया। हालांकि लामिन यमाल ने 28वें मिनट में स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया था। दूसरे हाफ में मोनाको का दबदबा रहा। बार्सिलोना ने कोई महत्वपूर्ण मौके नहीं बनाए और गोलकीपर फिलिप कोह्न को परेशान करने में असफल रहे। 20 मिनट बाकी रहते, इलिनिखेना ने एक बेहतरीन काउंटर अटैक पर गोल करके मोनाको को निर्णायक बढ़त दिला दी।

आर्सेनल ने खेला ड्रॉ

चैंपियंस लीग के अन्य मैचों में आर्सेनल की टीम ने जहां गोल रहित ड्रॉ खेला, वहीं एटलेटिको मैड्रिड ने जीत से आगाज किया। आर्सेनल और अटलांटा के बीच मैच गोलरहित रहा। वहीं एटलेटिको मैड्रिड ने आरबी लिपजिग को 2-1 से शिकस्त दी। एटलेटिको मैड्रिड की ओर से एंटोनी ग्रीजमैन ने 28वें और होजे मारिया गिमेनेज ने 90वें मिनट में गोल किया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

शेयर किया 'बंटी बबली 2' का अनुभव

रानी मुखर्जी से पहली मुलाकात में घबरा गई थीं शरवरी वाघ

शरवरी वाघ अपनी आगामी फिल्म अल्फा को लेकर बिजी चल रही हैं। हाल ही में उन्होंने रानी मुखर्जी को लेकर कुछ बातचीत की है। शरवरी ने बताया कि रानी बहुत ही सहज और मिलनसार अभिनेत्री हैं। रानी से अपनी पहली मुलाकात को लेकर भी शरवरी ने कुछ बातें साझा की हैं। शरवरी वाघ अपनी आगामी फिल्म अल्फा के लिए शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी भी नजर आने वाली हैं। उन्होंने कश्मीर में अपनी शूटिंग से कई पर्दे के पीछे की झलकियां साझा की हैं, जिससे काफी उत्साह पैदा हुआ है। रानी के साथ बंटी और बबली 2 में अपने डेब्यू को याद करते हुए, शरवरी ने अपनी पहली मुलाकात के दौरान हुई घबराहट को लेकर बात की है। शरवरी ने बंटी बबली 2 में अपने डेब्यू को याद करते हुए कहा, मैं वास्तव में बहुत घबराई हुई थी क्योंकि रानी मैम ऐसी महिला हैं, जिन्हें मैं हमेशा से देखती आई हूं। एक बच्चे के रूप में, मैं थिएटर में उनकी फिल्में देखती थी, घर वापस आती थी और उनके दृश्यों और गीतों को फिर से निभाती थी।

रानी वैसी दिखीं जैसी उम्मीद थी

शरवरी ने बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें और सिद्धांत चतुर्वेदी को रानी मुखर्जी के साथ अपनी पहली मुलाकात मजेदार और सहज लगी। कुछ पढ़ने और शूटिंग की तैयारी के दौरान, वे उन्हें बेहतर तरीके से जानने लगे और वह धीरे-धीरे मिलनसार होती गईं, बिल्कुल वैसी ही दिखीं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी। शरवरी ने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं था कि रानी डरावनी लगी थीं। उन्होंने रानी के लिए कहा, सुपरस्टार होने के बावजूद रानी ने कभी भी किसी को डराने वाला भाव नहीं दिखाया। शरवरी ने कहा कि रानी से मिलना उनके लिए किसी खुशी से कम नहीं था।

करीना ने की शाहिद की तारीफ

बोलीं- उनके बिना 'जब वी मेट' पूरी नहीं हो पाती

करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इसका जश्न मनाने के लिए उनके नाम पर एक फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत की गई है। ये समारोह 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें करीना की कई फिल्मों को दिखाया जाएगा। इसी बीच, करीना कपूर ने एक हालिया साक्षात्कार में अपनी चर्चित फिल्म जब वी मेट को लेकर बातचीत की। बेबो की फिल्म जब वी मेट को रिलीज हुए 17 साल बीत चुके हैं। सोशल मीडिया पर इस फिल्म की अक्सर चर्चा होती रहती है। इसमें बेबो ने गीत का किरदार अदा किया था, जिसे लोग बहुत पंसद करते हैं। एक साक्षात्कार में करीना कपूर से इसी फिल्म को लेकर पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म और गीत के किरदार में सबसे ज्यादा क्या पसंद है। अपने जवाब में करीना कपूर ने पलक झपकने से पहले कहा कि सब कुछ। करीना ने आगे कहा कि गीत एक महत्वाकांक्षी इंसान थीं और हर कोई उसकी तरह जीना और बनना चाहता था। मालूम हो कि करीना का किरदार एक पंजाबी लड़की का होता है, जो एक दिन ट्रेन में आदित्य नाम के बिजनेसमैन से मिलती हैं, जिसके बाद उसकी जिंदगी बदल जाती है। जब वी मेट में शाहिद कपूर ने आदित्य का रोल किया था। करीना कपूर ने इस बातचीत में शाहिद की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने फिल्म में बढ़िया काम किया। उन्होंने आगे कहा कि वाकई में शाहिद के बिना फिल्म पूरी नहीं हो पाती। करीना ने यह भी कहा कि जब हाल ही में, उन्होंने जब वी मेट देखी तो लगा कि ये बड़ी खास फिल्म है। जब वी मेट का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और हिट साबित हुई थी। इसके गानों को भी लोगों ने खूब पसंद किया था। जब वी मेट के बाद करीना कपूर और शाहिद कपूर ने उड़ता पंजाब फिल्म में काम किया था। करीना कपूर अगली बार रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। इसे दिवाली पर रिलीज किया जाएगा।

'इंडस्ट्री में है ज्यादा प्लास्टिक' वाले बयान पर विवेक ने दी सफाई, कहा- अपरिपक्वाता की वजह से..

विवेक ओबेरॉय हिंदी फिल्मों के जाने-पहचाने अभिनेता हैं। उन्होंने हाल में ही साल 2009 में दिए अपने प्लास्टिक वाले बयान को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वो बयान उन्होंने अपरिपक्वता की वजह से दिया था। विवेक ओबेरॉय हिंदी फिल्मों के जाने-पहचाने अभिनेता हैं। उन्हें एक शानदार अभिनेता के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही अपने लिए काफी अच्छी पहचान हासिल कर ली थी। वह मशहूर हिंदी फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय के बेटे हैं। इस वजह से फिल्म इंडस्ट्री उनके लिए कभी नई नहीं रही। अभिनेता अपनी फिल्मों के अलावा अपने बयानों की वजह से भी काफी चर्चा में रहते हैं। उन्होंने साल 2009 में बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा प्लास्टिक है। अब हाल में ही अभिनेता ने अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया है। अभिनेता ने अपनी पुरानी टिप्पणी में कहा था, हमारी इंडस्ट्रूी में टपरवेयर बॉक्स बनाने वाली कंपनी से ज्यादा प्लास्टिक है। विवेक ने अब इंडिया टीवी से बातचीत के दौरान इसे लेकर कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी की थी, तब वह अपरिपक्व थे, क्योंकि यह ऐसी बात नहीं है जिसे खुलकर कहा जाना चाहिए।

अश्विन का शतक, 6 विकेट भी लिए; 3 इंडियन बैटर्स की सेंचुरी

भारत चेन्नई टेस्ट जीता, 280 रन से बांग्लादेश को हराया

चेन्नई. एजेंसी

टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 280 रन से जीत लिया है। भारतीय टीम ने रविवार को 515 रन का टारगेट चेज कर रही बांग्लादेश को दूसरी पारी में 234 रन पर ऑलआउट कर दिया। टीम ने 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रविचंद्रन अश्विन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होनें 6 विकेट झटके। साथ ही पहली पारी में 113 रन बनाए। अश्विन के अलावा, ऋषभ पंत (39, 109 रन), शुभमन गिल (0, 119 रन), रवींद्र जडेजा (86 रन) और यशस्वी जायसवाल (56, 10 रन) ने भी अहम पारियां खेलीं। बांग्लादेश की ओर से कप्तान नजमुल हसन शांतो (82 रन) ने अर्धशतक जमाया। बांग्लादेशी टीम ने 158/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। शांतो ने 51 और शाकिब ने 5 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। शांतो 82 और शाकिब 25 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन पर घोषित की और बांग्लादेश को 515 रन का टारगेट दिया। टीम इंडिया ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी।

पंत बोले- मैं अपनी वापसी को सेलिब्रेट कर रहा

चेन्नई में खेलना मुझे काफी अच्छा लगता है। इंजरी के बाद मुझे तीनों फॉर्मेट में वापसी करनी थी। उसके बाद यह मेरा पहला टेस्ट मैच था। मैं इस वापसी को हर दिन सेलीब्रेट कर रहा हूं। यह थोड़ा इमोशनल मामला भी था। मैं अपने हर मुकाबले में अच्छा स्कोर बनाना चाह रहा था। टेस्ट क्रिकेट में फिर से वापसी करना मेरे लिए काफी अच्छा ऐहसास है। शतक बनाने के बाद मैं थोड़ा इमोशनल हुआ था।

रोहित शर्मा ने कहा- यह जीत हमारे लिए अहम

यह जीत हमारे लिए बहुत अहम है। पंत मुश्किल समय से गुजरे हैं। उन्होंने जिस तरह से उन चीजों का सामना किया वह अदभुत है। इस फॉर्मेट को वे सबसे ज़्यादा पसंद है। हमें हमेशा से पता था कि वे कितने काबिल हैं। यह बस उन्हें गेम टाइम देने का मामला था। हम किसी भी कंडीशन में इसी तरह की टीम बनाना चाहते हैं। हम हमेशा चाहते हैं कि हमारे पास तेज गेंदबाजी या स्पिन में विकल्पों की कमी न हो। यह पिच काफी आसान था। यहां पर तेज गेंदबाजों के लिए भी मदद थी और स्पिनर्स के लिए भी बहुत कुछ था। यह ऐसी पिच थी, जहां आपको संयम दिखाना पड़ता। अश्विन हमेशा आपके साथ रहते हैं। वे आपको बताते रहते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं। वे टीम के लिए जो करते हैं, उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वे कभी भी गेम से बाहर ही नहीं होते।

मील का पत्थर: इंग्लिश ओपन स्नूकर

शानदार : जॉन हिगिंस 1000 सेंचुरी ब्रेक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

ब्रेंटवुड (इंग्लैंड) . एजेंसी

चार बार के विश्व स्नूकर चैंपियन जॉन हिगिंस ने अपने करियर में मील का पत्थर हासिल कर लिया है। हिगिंस ने इंग्लिश ओपन स्नूकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 मैच के दौरान अपने 1000 सेंचुरी ब्रेक पूरे कर लिए हैं। ऐसा करने वाले वे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले रॉनी ओसुलिवन ने 2019 में यह उपलब्धि हासिल की थी। ओसुलिवन के नाम अब 1200 से ज्यादा सेंचुरी ब्रेक हैं। हालांकि हिगिंस अंतिम-16 के मुकाबले में मार्क एलन से 4-3 से हार गए। बता दें स्नूकर में एक बारी में 100 या उससे अधिक अंक को सेंचुरी ब्रेक कहते है। इसके लिए किसी खिलाड़ी को कम से कम 25 लगातार गेंदों को पॉट करना जरूरी होता है।

जापान की अकाने यामागुची से मिली हार

बैडमिंटन: मालविका बंसोड़ की हार से भारतीय चुनौती खत्म

चांग्झू (चीन) . एजेंसी

प्रतिभाशाली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ चाइना ओपन के क्वार्टरफाइनल में दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची की चुनौती से पार पाने में नाकाम रहीं। जापान की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मालविका को सीधे गेमों में 10-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। मालविका की हार के साथ ही इस सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। इस 22 साल की खिलाड़ी ने इससे पहले अंतिम 16 दौर में दो बार की राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता और स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को

उबालकर या कच्चा, कैसे खानी चाहिए सब्जियां? जानें

Life&Style METRO

जब सब्जियों को किस तरीके से खाएंगे जिससे शरीर को ज्यादा पोषक तत्व मिलेगा? यह सवाल अक्सर हर किसी के मन में आता ही होगा. आज हम आपको इस विषय पर विस्तार से समझाएंगे. हमारी डाइट में खासकर हरी सब्जियों की भूमिका बेहद खास होती है. सब्जियों से शरीर को भरपूर मात्रा में विटामिन, आयरन और जरूरी एंटी-ऑक्सीडेंट्स मिलते हैं. यह सबकुछ सेहत के लिए बहुत अच्छे होते हैं. हरी सब्जियां खाने से शरीर की इम्युनिटी भी मजबूत होती है. सिर्फ इतना ही नहीं शरीर को जो फ्री रेडिकल्स नुकसान पहुंचाने की सोचते हैं उनका भी सफाया हो जाता है. लेकिन सब्जियों को लेकर अक्सर एक सवाल उठता है वह यह कि इसे किस तरीके से खाने से फायदा होता है. कच्ची सब्जियां खाने से वजन कम होता है. इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जो वेट लॉस में मददगार होता है. बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी कच्ची सब्जियां अहम रोल निभाती हैं. इससे बैड कोलेस्ट्रॉल के नुकसान से बच सकते हैं. उबली या पकाकर सब्जियां खाने से आसानी से पच जाती हैं.

शरीर को किस तरीके से खाना अच्छा होता है?

सब्जियां कच्ची नहीं खा सकते क्योंकि यह पकने के बाद ही सॉफ्ट और स्वादिष्ट बनता है. इसका सेल्यूलर स्ट्रक्चर ब्रेक हो जाता है. इससे खाना पचाने में मदद मिलती है, लेकिन सवाल यह उठता है कि शरीर को किस तरीके से पकाने से फायदा मिलता है? वहीं सब्जियों को लेकर अक्सर यह पूछा भी जाता है कि शरीर को किस तरीके से खाना चाहिए. तरीका यानि उबालकर खाना चाहिए पकाकर खाना चाहिए? इन्हें स्टीम करके या सिर्फ सोटे करके खाना चाहिए? आज जानेंगे इसे पकाने का सही तरीका?

कच्ची या पकी सब्जियां कौन ज्यादा फायदेमंद

बहुत से लोग कहते हैं कि सब्जियों को पकाने से विटामिन ष्ट जैसे तत्व नष्ट हो जाते हैं. यह बात बिल्कुल सही भी है. इसलिए कुछ सब्जियां कच्ची और कुछ पकाकर खानी चाहिए. कच्ची सब्जियां खाने से भी कई फायदे हैं और उबली सब्जियां भी शरीर के लिए फायदेमंद होती हैं. इसलिए दोनों तरह की सब्जियां खाना शरीर की सेहत के लिए अच्छी मानी जाती हैं. हालांकि, ये सब्जियों के प्रकार पर निर्भर करती हैं. सब्जियों में फाइबर पाया जाता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम मजबूत होता है. इससे पेट जल्दी भरता है और देर तक भूख कंट्रोल रहता है.

विसर्जन के बाद फैला कचरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद तालाब कचरा, गंदगी से पट गए हैं। तालाब में फूल, पत्ती, पूजन सामग्री सहित पालीथिन में भरकर फेंकी सामग्री तैर रही हैं। जिससे तालाब का पानी प्रदूषित हो रहा है वहां सुंदरता भी प्रभावित हो रही है। प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, लेकिन नगर निगम द्वारा इस बार तालाबों की सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

रेलकर्मी की पत्नी को पुलिस का डर बताकर जेवरात व 80 हजार की नगदी ले गया जालसाज

कोच फैक्ट्री कॉलोनी की घटना, पुलिस कर रही आरोपी की तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित कोच फैक्ट्री में शनिवार दोपहर एक जालसाज ने रेलकर्मी की पत्नी से जेवरात और अस्सी हजार रुपए की नगदी हड़प ली। आरोपी रेलकर्मी के घर पहुंचा था और वहां कहने लगा कि ऑफिस में चोरी के मामले में पति को पुलिस पकड़कर ले जाने का डर बताने लगा। डरी सहमी रेलकर्मी की पत्नी ने घर से जेवरात और अस्सी हजार रुपए की नगदी निकालकर दे दी। रकम और नगदी हाथ लगते ही मौके से भाग निकला।

पुलिस के अनुसार शेल्वा कुमारी पति हेम संगवानी (32) कोच फैक्ट्री, रेलवे कॉलोनी में रहती हैं। वह गृहणी हैं, जबकि उनके पति रेलवे में नौकरी करते हैं। शनिवार को पति ड्यूटी गए्ड़थे। दोपहर करीब साड़े तीन बजे के आसपास शेल्वा अपनी बेटी के साथ घर पर थी, तभी एक व्यक्ति उनके घर पहुंचा। उसने शेल्वा कुमारी से कहा कि ऑफिस में चोरी के मामले में पुलिस ने पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस चोरी का माल रिकवरी करने के लिए घर पहुंच रही है। शेल्वा कुमारी डर गई और जालसाज से पूछने लगी कि क्या करना पड़ेगा। जासलाज ने कहा कि घर की नगदी और जेवरात बैग में रखकर किसी परिचित के घर रखवा दो।

बैग में रखकर लाई नगदी और जेवरात

पुलिस के घर पहुंचने की बात सुनकर शेल्वा कुमारी डर गई उनका दिमाग काम नहीं कर रहा था। उन्होंने पति को भी कॉल नहीं किया और बैग में अस्सी हजार रुपए की नगदी समेत घर से जेवरात बैग में रखे और बाहर निकली। जालसाज घर के बाहर घूम रहा था। उसने शेल्वा कुमार को देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। वह कहने लगा कि पुलिस आ गई, पुलिस आ गई। शेल्वा ने डर के कारण बैग जालसाज के हाथ में दे दिया। बैग हाथ लगते ही आरोपी बैग लेकर फरार हो गया।

पड़ोसी को भी नहीं बताया....

घटना के समय पड़ोस में रहने वाली महिला भी वहीं आसपास घूम रही थी। उन्होंने शेल्वा कुमार से पूछताछ करने का प्रयास किया, लेकिन शेल्वा कुमारी ने उन्हें भी कुछ नहीं बताया। दरअसल, उन्हें लगा कि पुलिस वाली बात पता चलने से बदनामी होगी।

गांधीनगर पुलिस ने दर्ज की अमानत में खयानत की एफआईआर

मैनेजर ने अस्पताल संचालक को लगाया 12 लाख का चूना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधीनगर पुलिस ने अस्पताल संचालक की शिकायत पर मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। अस्पताल संचालक का आरोप है कि मैनेजर ने हेरा फेरी करते हुए 12 लाख का गबन किया है। पुलिस के अनुसार डॉ दीपक दीक्षित गांधीनगर में श्री साईं श्रद्धा अस्पताल का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया की अस्पताल नया बना है। अस्पताल में उन्होंने अनुज सिंघई को मैनेजर का काम दिया था। विश्वास होने के नाते उन्होंने लेनदेन का पूरा काम अनुज को दे दिया। उन्होंने चेक बुक भी अनुज को दे दी थी। नया अस्पताल होने के कारण लोगों को पेमेंट करने की जिम्मेदारी अनुज के पास थी। अनुज को डॉ दीक्षित ने मोबाइल बैंकिंग का पासवर्ड भी दे रखा था। अनुज पार्टियों को भुगतान करने की बजाय अपने खाते में रुपए ट्रांसफर कर रहा था।

ऐसे हुआ खुलासा

बैंक का अकाउंट सामने ही एसबीआई शाखा में था, लेकिन डॉ दीक्षित ने उक्त अकाउंट को काफी समय क्लोज कर दिया और नया खाता दूसरी बैंक में खुलवा लिया। पुराने खाते की चेकबुक डॉ दीक्षित ने अनुज सिंघई को नष्ट करने के लिए दी थी। अनुज ने उक्त खाते की चेकबुक के तीन चेक ब्रांच में लगा दिए। बैंक मैनेजर ने डॉ दीक्षित से संपर्क किया और कहा कि आपका खाता बंद हो चुका है फिर चेक क्यों लगाए। वे बैंक पहुंचे तो पता चला कि चेक पर उनके साइन नहीं है।

तीन चैक में एक को करा चुका था क्लीयर

संदेह होने पर डॉ दीक्षित उस बैंक में पहुंचे, जहां उनका खाता अभी चल रहा है। वहां पता चला कि अनुज ने वहां भी तीन चेक लगाए हैं, जिनमें एक चेक क्लीयर हो चुका है। डॉ दीक्षित ने अनुज से पूछताछ की तो अनुज ने ठगी करने की बात स्वीकार ली। वह कहने लगा कि पैसे उसने खर्च कर दिए हैं और वह लोन लेने के बाद पैसा लौटा देगा। उसकी हेरा फेरा के कारण डॉ दीक्षित ने उसे नौकरी से हटा दिया। नौकरी से हटाने के बाद आरोपी फरार है। उसका कुछ पता नहीं चलने के कारण डॉक्टर दीक्षित ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। पुलिस ने आवेदन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

शाहपुरा से लापता युवक की लाश कलियासोत डैम में मिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा से लापता हुए युवक का शव कलियासोत डैम में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन शोकाकुल है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। साथ ही पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या के कारण पता चल सकेगे। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह सीढ़ियों के पास कलियासोत डैम से एक युवक की लाश बरामद की गई। पुलिस ने आसपास के थानों में मृतक का हुलिया भेजा। इस दौरान शाहपुरा पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम उक्त हुलिए के एक युवक की गुमशुदगी दर्ज हुई है। पुलिस ने गुमशुदा के परिजन से संपर्क किया और मृतक का फोटो भेजा। परिजन ने फोटो से उसकी पहचान कर ली। मृतक के पिता बृजेश जोशी ने पुलिस को बताया कि मृतक उनका बेटा विशाल उर्फ शुभम जोशी (27) है। विशाल ने गुरुवार रात परिवार के साथ खाना खाया था। शुक्रवार सुबह पिता उसके कमरे में पहुंचे तो मोबाइल और पर्स रखा मिला। विशाल का कुछ पता नहीं चल रहा था। उन्होंने शाहपुरा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

दसवीं की छात्रा से मनचले ने की छेड़छाड़, केस दर्ज

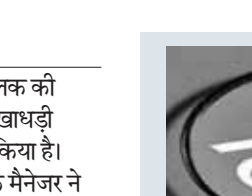

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अरेरा हिल्स इलाके में दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ एक मनचले द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। 16 वर्षीय किशोरी दसवीं कक्षा में पड़ती है। गुरुवार की रात करीब आठ बजे वह कोचिंग से घर लौट रही थी, तभी गणेश नामक युवक ने उसका रास्ता रोककर बातचीत करने का प्रयास किया। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो उसने बुरी नीयत से उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। परिजनों को पता चला कि शुक्रवार की दोपहर लड़की को लेकर थाने पहुंचे, जहां पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करवा दिया। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

डेंटिस्ट के बैग से जेवरात और 22 हजार चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा इलाके में स्थित एक जिम के अंदर डेंटिस्ट के बैग से सोने के जेवरात और 22 हजार रुपये चोरी हो गए।जानकारी के अनुसार जाटखेड़ी मिसरोद में रहने वाली श्वेता खरे (36) डेंटिस्ट हैं। वह बावड़िया कला शाहपुरा स्थित एक जिम जाती हैं। गुरुवार की रात करीब आट बजे श्वेता जिम पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने अपना हैंडबैग चेंजिंग रूम में रख दिया था।घर जाकर देखा तो बैग में रखे सोने के जेवरात और 22 हजार रुपए गायब थे।इसकी जानकारी उन्होंने जिम संचालक को दी और शुक्रवार को थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर टीटी नगर थानांतर्गत प्रियदर्शनी नगर में रहने वाले जितेंद्र के घर का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और 45 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इधर ईटखेड़ी थानांतर्गत ग्राम परेवाखेड़ा पतलोन में रहने वाले आमिर खाने के घर के सामने खड़ी पल्सर बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर पुलिस ने की काउंसलिंग अब सीडब्ल्यूसी से कराई जाएगी बच्ची की काउंसलिंग

स्कूल वैन में साढ़े चार साल की बच्ची से बेडटच, आज सीडब्ल्यूसी करेगी काउंसलिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग में साड़े चार साल की बच्ची से वैन में बेडटच का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस ने पड़ताल में पता चला कि इस तरह की कोई भी घटना नहीं हुई है। बच्ची की काउंसलिंग करने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की बात कही तो परिजन ने एफआईआर कराने से इंकार कर दिया। वे कहने लगे कि बच्ची के साथ कुछ भी नहीं हुआ है। पुलिस परिजन की बातों से संतुष्ट नहीं है। लिहाजा पुलिस ने वैन में बच्ची के साथ मौजूद अन्य बच्चों से पूछा। बच्चों ने बताया कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। पुलिस ने वैन चालक को भी पूछताछ के लिए बुलाया। वह भी घटना से इंकार कर रहा है। पुलिस का कहना है कि अब बच्ची की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी से काउंसलिंग कराई जाएगी।

पुलिस के अनुसार साढ़े चार साल की बच्ची ऐशबाग इलाके में रहती है और केजी टू में पड़ती है। शनिवार सुबह करीब साड़े 11 बजे वह वैन से घर पहुंची। उसने मां को बताया कि स्कूल वैन में

थाने पहुंचे परिजन, एफआईआर दर्ज कराने का कहा तो परिजन बोले बच्ची कर रही थी मजाक

एक दादा ने उसके साथ बेडटच किया है। यह सुनकर परिजन बच्ची को लेकर थाने पहुंचे। बच्ची से बेडटच की जानकारी लगते ही आलाधिकारी भी थाने पहुंच गए। परिजन और बच्ची की काउंसलिंग कराई गई तो बच्ची ने बताया कि घर लौटते समय वैन चालक दो बच्चों को उतारकर सड़क पार करा रहे थे, तभी एक दादा वैन के पास पहुंचे और उन्होंने बेडटच किया।

बच्चों से की पूछताछ: पुलिस ने वैन में बच्ची के साथ बैठे बच्चों से पूछताछ की तो बच्चों ने बताया कि वैन के पास कोई भी दादा नहीं पहुंचे थे। पुलिस ने वैन चालक को बुलाया। बच्चों से सामना कराने पर बच्चों ने बताया कि वैन वाले अंकल अच्छे हैं और वह पूरा ध्यान रखते हैं।

बेडटच के बारे में सुनकर किया ऐसा: कमला नगर थाना क्षेत्र में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद स्कूलों और अभिभावकों के द्वारा बच्चों को गुड टच और बेडटच के बारे में जानकारी दी जा रही है। पुलिस का अनुमान है इसी जानकारी के कारण महज साड़े चार साल की बच्ची ने चंचल स्वभाव होने के कारण बेडटच का मां को बताया था। हालांकि पुलिस अभी तक प्रकरण में संतुष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि काउंसलिंग जरूरी है।

पौधारोपण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। न्यू मार्केट स्थित कालीबाड़ी के सामने स्वच्छता किटी गुप द्वारा सेंटर वर्ज साफ सफाई कर पौधारोपण किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आर के सिंह बघेल एवं स्वच्छता किटी टीम उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर इलाके में रहने वाले एक युवक पर पुरानी रंजिश के चलते आरोपी युवक ने नुकीले हथियार से हमला कर दिया। कई अन्य स्थानों पर मामूली विवाद को लेकर मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस ने सभी मामलों में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार निखिल कुशवाह (20) पानी की टंकी के पास गौतम नगर में रहता है और जुमेराती में कैरी बैग बेचने का काम करता है। गुरुवार रात करीब साड़े नौ बजे वह दुकान से घर लौटने के बाद आंगन में बाइक खड़ी कर रहा था। इसी दौरान विकास कुशवाह पहुंचा और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए नुकीले हथियार से उसकी पीठ पर हमला कर दिया। चिल्लाचोट सुनकर निखिल परिजन और अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया तो विकास धमकी देते हुए भाग निकला। गंभीर रूप से घायल निखिल को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से वह घर चला गया था। शुक्रवार को उसने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। दसवीं के छात्र से मारपीट ऐशबाग स्थित बाग दिलकुशा में रहने वाला समद अली दसवीं कक्षा में पड़ता है। शुक्रवार रात करीब दस बजे वह अपने दोस्तों के साथ सुपर शादी हाल के सामने खड़े होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाला फराज वहां पहुंचा और समद के साथ गाली-गलौज करने लगा। समद ने गाली देने से मना किया तो उसने प्लास्टिक के पाइप से उसके साथ मारपीट कर दी। शोर मचाने पर परिजन पहुंचे तो फराज धमकी देते हुए भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022